आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11। अंक 192। मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

दैनिक

आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, व भोपाल, रायपुर व बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

इंदौर, बुधवार, 16 जुलाई, 2025

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शैक्षणिक भ्रमण पर आए सुकमा जिले के बच्चों से की आत्मीय मुलाकात, कहा-

बच्चों का स्वर्णिम भविष्य सुनिश्चित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

संवाददाता ● रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से छत्तीसगढ़ विधानसभा में नियद नेल्लानार योजना के अंतर्गत राजधानी रायपुर के शैक्षणिक भ्रमण पर आए सुकमा जिले की सुदूरवर्ती पाँच ग्राम पंचायतों के बच्चों ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री साय ने बच्चों से आत्मीय संवाद करते हुए उनका हालचाल जाना और राजधानी रायपुर में उनका आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बस्तर के बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी सहित सभी मूलभूत सुविधाएँ बस्तर के कोने-कोने तक पहुँचाने हेतु कृतसंकल्पित है।

मुख्यमंत्री साय ने बच्चों से सौहार्दपूर्ण बातचीत करते हुए कहा कि इस शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से आपको राजधानी रायपुर को निकट से देखने-समझने का अवसर मिला है। इसी तरह राज्य सरकार बस्तर क्षेत्र में भी तीव्र गति से विकास कर रही है। उन्होंने बताया कि सुदूर अंचलों में अब सुरक्षाबलों के कैंप स्थापित हो रहे हैं, और जहां-जहां ये कैंप पहुँचते हैं, वहाँ चौतरफा विकास के द्वार खुलते हैं। अब अधिकांश स्थानों पर शासकीय राशन दुकानों की स्थापना हो चुकी है और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुँच रहा है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि निकट भविष्य में बस्तर पूरी तरह से नक्सलमुक्त क्षेत्र होगा।

मुख्यमंत्री ने बच्चों से मुस्कराते हुए पूछा — "बस्तर के शेर बच्चों ने रायपुर के जंगल सफारी में शेर देखा या नहीं?" इस मजाकिया अंदाज़ पर बच्चों सहित उपस्थित सभी लोग ठहाके लगाकर हँस पड़े।

साय ने कहा कि राज्य सरकार आत्मनिर्भर बस्तर की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। बस्तर के लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए उन्हें दुग्ध उत्पादन से भी जोड़ा जा रहा है। सरकार शिक्षा के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सुनिश्चित कर रही है, ताकि क्षेत्र के बच्चों का भविष्य सुरक्षित और समृद्ध हो सके।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप, विधायकगण ईश्वर साहू एवं सुशांत शुक्ला भी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि नियद नेल्लानार योजना के अंतर्गत सुकमा जिले की पाँच सुदूर ग्राम पंचायतों—पालाचलमा, पोटकपल्ली, एलमागुंडा, ताड़मेटला एवं गोलापल्ली—के 100 स्कूली बच्चे राजधानी रायपुर के दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पर आए हैं। भ्रमण के दौरान इन बच्चों को मंत्रालय, जंगल सफारी, रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट जैसे महत्वपूर्ण स्थलों का अवलोकन कराया गया। विदित हो कि नियद नेल्लानार योजना के तहत बस्तर के नक्सल प्रभावित पाँच जिलों के बच्चों को शैक्षणिक भ्रमण के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं।

अंतरिक्ष में भारत का सुनहरा अध्याय | सुस्वागतम् शुभांशु

आपने करोड़ों सपनों को पंख दिए : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुभांशु की धरती पर वापसी की बधाई दी है। पीएम मोदी ने कहा, ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा से वापस लौट रहे शुभांशु शुक्ला का मैं पूरे देश के साथ स्वागत करता हूं। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का दौरा करने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री के रुप में, उन्होंने अपने समर्पण, साहस और अग्रणी भावना से करोड़ों सपनों को प्रेरित किया है। यह हमारे अपने मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन - गगनयान - की दिशा में एक और मील का पत्थर है। शुभांशु की वापसी पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और केन्द्रीय मंत्री जितेंन्द्र सिंह ने भी बधाई दी।

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला 18 दिन की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) यात्रा के बाद 15 जुलाई 2025 को दोपहर 3:00 बजे धरती पर सुरक्षित लौट आए। भारत के लिए यह एक ऐतिहासिक पल था। यह उनकी पहली अंतरिक्ष यात्रा थी, जो एक्सिओम मिशन 4 (Ax-4) का हिस्सा थी। शुभांशु स्पेसएक्स के ग्रेस यान से लौटे और कैलिफोर्निया तट के पास प्रशांत महासागर में सुरक्षित लैंडिंग की। यह भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए गर्व का क्षण है।

एक्सिओम-4 मिशन से सफल वापसी के बाद ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के परिवार में खुशी की लहर है। इस खास मौके पर शुभांशु की मां आशा शुक्ला ने कहा कि बेटा बहुत बड़ा मिशन पूरा करके लौटा है। आंखों में आंसू आना स्वाभाविक है। साथ ही उन्होंने कहा कि कैसे गया और कैसे वापस आया, सब देखना एक बड़ी बात थी। बेटे के लौटने पर वह बहुत खुश हैं। मन ही मन वह भगवान से प्रार्थना कर रही थीं कि लैंडिंग सुरक्षित हो जाए। अब सारा डर खत्म हो गया है और वे पूरी तरह निश्चिंत हैं। वहीं शुभांशु के पिता शंभू दयाल शुक्ला ने भी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि हम सभी का आभार प्रकट करते हैं, जिन्होंने हमारे बेटे को आशीर्वाद दिया। मिशन की सफलता के बाद पूरे देश में जश्न का माहौल बन गया। शुभांशु की वापसी पर परिवार ने केक काटा और खुशियां मनाईं।

शुभांशु का अंतरिक्ष मिशन गगनयान मिशन को बढ़ावा देगा : इसरो

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा कि भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का 15 दिवसीय अंतरिक्ष मिशन, गगनयान कार्यक्रम के तहत भारत के पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष यान में महत्वपूर्णभूमिकानिभाएगा। इसरो के अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के निदेशक नीलेश एम देसाई ने कहा, "यह उनके (शुभांशु शुक्ला) लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहा है। उन्होंने स्पेस शटल और अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर कई प्रयोग किए। अंतरिक्ष और सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण का अनुभव करने के बाद, उन्होंने कई वैज्ञानिक परीक्षण किए। यह मिशन हमारे लिए सीखने का एक बड़ा अवसर रहा है। इसरो ने यह मिशन अनुभव प्राप्त करने के लिए शुरू किया है जो हमारे गगनयान कार्यक्रम में हमारी मदद करेगा।* उन्होंने कहा कि गगनयान मिशन इस वर्ष के अंत में मानवरहित उड़ान के साथ शुरू होगा। हमारे कार्यक्रम के तहत, हम इस वर्ष एक मानवरहित मिशन लॉन्च करेंगे, जिसके बाद दो और मानवरहित उड़ानें होंगी। इसके बाद, एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को गगनयान अंतरिक्ष यान के जरिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। अंतरिक्ष यात्री दो से सात दिनों तक अंतरिक्ष में रहेगा और पृथ्वी पर वापस लौटेगा। शुभांशु शुक्ला द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर बिताए गए अनुभव अगले दो वर्षों में नियोजित गगनयान कार्यक्रम के लिए अत्यंत मूल्यवान होंगे।*

डेयरी को लेकर नो-डील पर अड़ा भारत

डील होने से 8 करोड़ किसानों को हो जाएगा 1 लाख करोड़ का नुकसान

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील में बातचीत तेज होने की बात कही जा रही है, भारतीय टीम फिर से वाशिंगटन पहुंच गई है और उम्मीद जताई जा रही है कि ट्रंप की टैरिफ लागू करने की डेडलाइन 1 अगस्त 2025 से पहले बड़ा ऐलान हो सकता है। इस बीच अमेरिका के साथ डील एग्रीकल्चर और डेयरी सेक्टर से जुड़े मुद्दों को लेकर अटकी हुई है, जिन्हें अमेरिकी उत्पादों के लिए खोलने की मांग अमेरिका कर रहा है।

भारत का रुख इस मामले में अडिग बना हुआ है और सरकार की ओर से साफ कर दिया गया है कि किसी भी दबाव में किसानों के हितों के साथ समझौता नहीं किया जाएगा। भारत का इस रुख के पीछे बड़ा कारण है। एसबीआई रिसर्च की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, सिर्फ डेयरी सेक्टर अमेरिका के लिए खोलना देश के 8 करोड़ किसानों के लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

इस रिपोर्ट में आंकड़ों के साथ डेयरी सेक्टर को अमेरिका के लिए खोलने के किसानों पर विपरीत प्रभाव के बारे में बताया गया है। इसमें कहा गया है कि भारत के डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी आयात के लिए खोलने से भारतीय डेयरी किसानों को सीधे 1.03 लाख करोड़ रुपये की सालाना चपत लग सकती है। भारत में डेयरी सेक्टर ग्रामीण अर्थव्यवस्था में अहम रोल निभाता है। यह राष्ट्रीय सकल मूल्य संवर्धन (GVA) में करीब 2.5-3 फीसदी का हिस्सेदार है, जो लगभग 7.5-9 लाख करोड़ रुपये है।

एसबीआई के मुताबिक, भारत में ये सेक्टर तकरीबन 8 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार देता है। ऐसे में अगर भारत अपने डेयरी सेक्टर को अमेरिकी डेयरी प्रोडक्ट्स के लिए खोलता है, तो इसका सीधा असर घरेलू दूध की कीमतों पर दिखाई देगा और इसका भाव 15 से 20 फीसदी तक कम हो सकता है। अगर दूध का भाव 15% गिरता है, तो इससे 1.8 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होगा।

एसबीआई रिपोर्ट के मुताबिक डेयरी सेक्टर को खोलने से अमेरिका के साथ व्यापक आर्थिक और रणनीतिक सहयोग तो हो सकता है, लेकिन इसके भारतीय किसानों पर होने वाले नकारात्मक प्रभाव को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। क्योंकि अमेरिका के लिए भारतीय बाजार खोले जाने और वहां के डेयरी प्रोडक्ट्स को भारी सब्सिडी देने से भारत के डेयरी सेक्टर पर आश्रित छोटे किसानों की आजीविका पर सीधा प्रभाव पड़ेगा।

पहलगाम आतंकी हमला पाक नेताओं-अफसरों ने कराया था

नई दिल्ली। जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमला पाकिस्तान के राजनीतिक और सैन्य अधिकारियों की साजिश थी। हाल ही में आई एक रिपोर्ट से ऐसे संकेत मिले हैं। हालांकि, भारत सरकार ने इसपर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। 22 अप्रैल को हुए नरसंहार में 26 सैलानियों की निर्ममता से हत्या कर दी गई थी। इसके जवाब में भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत की थी। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया है कि पहलगाम आतंकी हमले की साजिश ISI और आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने रची थी। खबर है कि इसके निर्देश पाकिस्तान के राजनीतिक और सैन्य अधिकारियों ने दिए थे। यह भी सामने आया है कि इस घटना को अंजाम देने के लिए खासतौर से पाकिस्तानी आतंकवादियों को शामिल किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, आईएसआई ने लश्कर के कमांडर साजिद जट्ट को जम्मू और कश्मीर में सिर्फ विदेशी आतंकवादी तैनात करने के निर्देश दिए थे। गोपनीयता बनाए रखने के लिए किसी भी कश्मीरी आतंकवादी को शामिल नहीं किया गया था। इस हमले को अंजाम देने वाले समूह की अगुवाई सुलेमान कर रहा था। संदेह है कि वह पाकिस्तानी स्पेशल फोर्सेज का पूर्व कमांडो है। वह साल 2022 में जम्मू में घुसपैठ करने के पहले लश्कर के मुरीदके ठिकाने पर ट्रैनिंग हासिल कर चुका है।

ऑपरेशन सिन्दूर पर छत्तीसगढ़ की जनता को गर्व: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जताया प्रधानमंत्री के प्रति आभार

भारत की ताकत, संकल्प और वैश्विक नेतृत्व क्षमता का प्रमाण : सीएम साय

संवाददाता ● रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कुशल रणनीति और नेतृत्व क्षमता को पूरे देश ने देखा है। यह केवल एक मिशन नहीं था, बल्कि भारत की ताकत, संकल्प और वैश्विक नेतृत्व क्षमता का जीवंत प्रमाण है। साय आज विधानसभा में ऑपरेशन सिन्दूर के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने समस्त छत्तीसगढ़वासियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को ऑपरेशन सिन्दूर के सफल संचालन के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता को इस ऑपरेशन की सफलता पर गर्व है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि भारत अब ऐसा राष्ट्र बन चुका है जो अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए किसी भी परिस्थिति में, किसी भी सीमा तक जाकर, त्वरित, निर्णायक और प्रभावी कार्यवाही करने में सक्षम है। ऐसे अभियान केवल सैन्य या कूटनीतिक सफलता का प्रतीक नहीं होते, बल्कि वे संपूर्ण राष्ट्र की भावना का प्रतिनिधित्व करते हैं। हमारे राष्ट्रीय नेतृत्व का दृष्टिकोण स्पष्ट है — हर भारतीय का जीवन बहुमूल्य है, चाहे वह देश में हो या विदेश में। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ऑपरेशन के केंद्र में समन्वय और निर्णय क्षमता की जो धुरी रही, वह हैं - प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। प्रधानमंत्री मोदी की सक्रिय भागीदारी, व्यक्तिगत निगरानी और स्पष्ट निर्देशों के कारण ही यह मिशन समयबद्ध, सुरक्षित और सफलतापूर्वक सम्पन्न हो पाया।

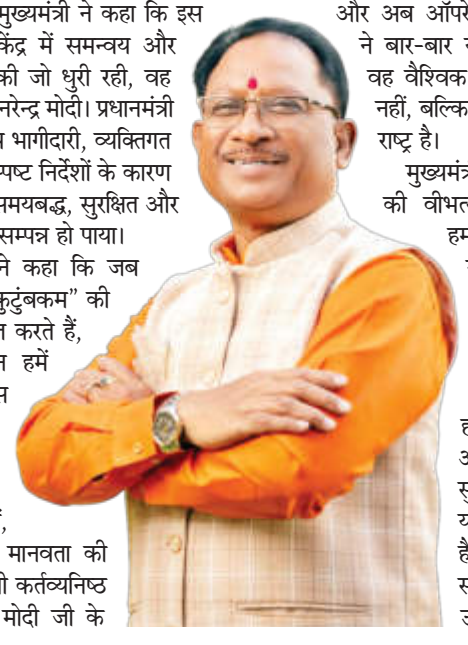

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम "वसुधैव कुटुंबकम" की भावना की बात करते हैं, तो ऐसे मिशन हमें यह विश्वास दिलाते हैं कि भारत केवल अपने नागरिकों की ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता की रक्षा के लिए भी कर्तव्यनिष्ठ है। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत की साख अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नई ऊंचाइयों को स्पर्श कर रही है। ऑपरेशन गंगा, ऑपरेशन कावेरी, ऑपरेशन देवी शक्ति, और अब ऑपरेशन सिन्दूर — भारत ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वह वैश्विक संकटों में मूक दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय संकट-निवारक राष्ट्र है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहलगाम की वीभत्स घटना के पश्चात हमारे प्रदेश के सपूत स्वर्गीय दिनेश मिरानिया का पार्थिव शरीर भी लौटकर आया। मैंने स्वयं उनके परिवार की पीड़ा को देखा। हमारी बहन ने अपनी आँखों के सामने अपना सुहाग उजड़ते देखा — यह पीड़ा कितनी गहरी है, यह पूरा सदन समझ सकता है। आतंकियों ने उन्हें केवल इस कारण मार डाला कि वे नहीं चाहते थे कि जम्मू-कश्मीर, जो भारत का अभिन्न अंग है, उसमें अन्य प्रांतों के नागरिकों की आवाजाही हो सके। उन्हें धर्म देखकर मारा गया। देश भर की माताओं-बहनों के बिलखने की तस्वीरें सामने आईं और इनके साथ पूरा देश रोया। यह एक ऐसी अमानवीय घटना थी, जिसमें सम्पूर्ण मानवता तार-तार हो गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां आतंकवादियों ने निर्दोष लोगों का रक्त बहाया, वहीं भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई में इस बात का विशेष ध्यान रखा कि पाकिस्तान के आम नागरिकों को कोई क्षति न पहुँचे। हमारे नेतृत्व ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत किसी को छेड़ता नहीं, परंतु छेड़ने वालों को छोड़ता भी नहीं। ऑपरेशन सिन्दूर के माध्यम से भारत ने स्पष्ट संदेश दिया है कि हम प्रत्येक रक्त की बूँद का हिसाब लेते हैं। जिन आतंकी ठिकानों पर हमला किया गया, वे संसद हमले, मुंबई हमले, अक्षरधाम हमला और पुलवामा जैसी भीषण घटनाओं में लिप्त थे। भारत ने आतंकवाद को शह देने वाले देशों को विश्व मंच पर बेनकाब किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत ने सदैव शांति को प्राथमिकता दी है, परंतु संप्रभुता पर किसी भी प्रकार का हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और उसका माकूल उत्तर दिया जाएगा। जो देश आतंकवादियों की भाषा बोलते हैं, वे आज वैश्विक मंचों पर अलग-थलग पड़ चुके हैं — इसका श्रेय भारतीय नेतृत्व की अडिग इच्छाशक्ति को जाता है। पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद को बेनकाब करने हेतु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने जिस प्रकार सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों में भेजा, वह भारतीय लोकतंत्र की सुंदरता और "एक भारत श्रेष्ठ भारत" की भावना का आदर्श उदाहरण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें गर्व है कि उन्हें यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली मंत्रिपरिषद में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ। उनके व्यक्तित्व में संकल्प, समन्वय और संवेदनशीलता का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। रक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु प्रधानमंत्री जी ने जो सतत परिश्रम किया, उसका प्रभाव हमें ऑपरेशन सिन्दूर में प्रत्यक्ष रूप से देखने को मिला। यह ऑपरेशन 140 करोड़ देशवासियों की एकजुटता और अखंडता का प्रतीक बन चुका है और सदा स्मरणीय रहेगा।

एसोसिएशन ऑफ इंडियन मैनेजमेंट स्कूल्स ने वीस्कूल एवं रतन टाटा महाराष्ट्र स्टेट स्किल्स यूनिवर्सिटी के सहयोग से 'विकसित भारत में महिलाओं का नेतृत्व' शिखर सम्मेलन आयोजित किया

क्लासरूम से लेकर बोर्डरूम तक, विकसित भारत की राह दिखा रहीं महिला लीडर्स

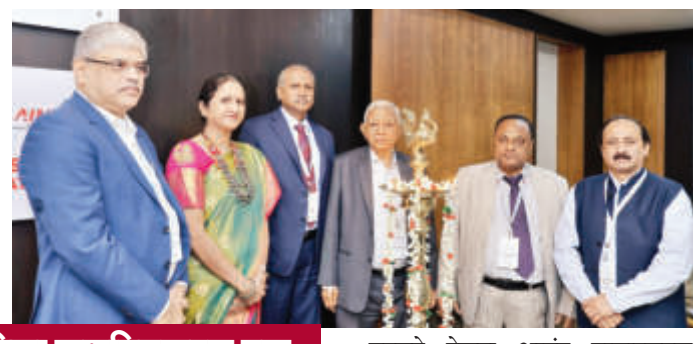

एजेंसी ● मुंबई

मुंबई स्थित प्रिन. एल. एन. वेलिंगकर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट डेवलपमेंट एंड रिसर्च (वीस्कूल) ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन मैनेजमेंट स्कूल्स (एआईएमएस) और रतन टाटा महाराष्ट्र स्टेट स्किल्स यूनिवर्सिटी के सहयोग से, 'विकसित भारत में महिलाओं का नेतृत्व' शिखर सम्मेलन का आयोजन सफलतापूर्वक किया। यह भारत की विकास यात्रा में महिला अग्रणियों की भूमिका को मान्यता देने और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आरम्भ की गई एक शक्तिशाली पहल है।

आयोजन

शिखर सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान, मैनेजिंग काउंसिल, एसपी मंडली के चेयरमैन एवं वीस्कूल के सीडीसी, एडवोकेट श्री एस. के. जैन ने कहा, 'भारत की संस्कृति - हमारे धर्मग्रंथों से लेकर हमारे सामाजिक मूल्यों में महिलाओं की गरिमा और शक्ति का सदैव सम्मान किया गया है। आज, इस बात पर चर्चा नहीं होनी चाहिए कि क्या महिलाओं का नेतृत्व करना सही है या नहीं, बल्कि इस बात पर होनी चाहिए कि हम अधिक महिलाओं को अग्रणी भूमिका निभाने का मौका कैसे दे सकते हैं, विशेष रूप से वंचित समुदाय की महिलाओं को। महिलाओं का सही मायनों में सशक्तिकरण केवल उन्हें वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करना नहीं बल्कि उनके लिए अभिगम्यता, शिक्षा और संस्थागत समर्थन सुनिश्चित करना है। इस शिखर सम्मेलन जैसे मंच जागरूकता पैदा करने और अधिक समावेशी तथा विकसित भारत निर्माण की दिशा में सार्थक बदलाव लाने के लिए आवश्यक हैं।'

वीस्कूल के ग्रुप डायरेक्टर, प्रो. डॉ. उदय सालुंखे ने कहा, 'किसी भी राष्ट्र की प्रगति इस बात पर निर्भर करती है कि वह अपनी महिलाओं को कैसे सशक्त बनाता है - न केवल शिक्षा के माध्यम से, बल्कि उनमें नेतृत्व करने में क्षमता विकसित करके भी। आज भारत के उच्चतर शिक्षा परिदृश्य में 41% महिलाओं की भागीदारी है लेकिन केवल 12% ही लीडरशिप की भूमिका तक पहुँच पाती हैं - यह एक ऐसा अंतर है जिसे हमें तत्काल पाटने का प्रयास करना होगा। वैश्विक स्तर पर, रवांडा, फ़िनलैंड और न्यूज़ीलैंड जैसे देशों ने साबित किया है कि समावेशी लीडरशिप किस प्रकार राष्ट्रीय विकास को गति देता है। वीस्कूल में, हम शिक्षा को एक परिवर्तनकारी शक्ति मानते हैं। इस प्रकार के शिखर सम्मेलन जैसे मंच एक ऐसी पारिस्थितिकी तंत्र को आकार देने हेतु महत्वपूर्ण हैं ताकि महिलाएँ अपने नेतृत्व के माध्यम से सही मायनों में एक विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त कर सकें।'

एसोसिएशन ऑफ इंडियन मैनेजमेंट स्कूल्स (एआईएमएस) के नेशनल प्रेसिडेंट डॉ. रमाकांत पात्रा ने अपने प्रारंभिक भाषण में इस बात पर प्रकाश डाला कि, 'समाज की मानसिकता को बदलते देखना अत्यंत उत्साहजनक है—महिलाएँ अब उद्योगों, शिक्षा जगत और शासन-प्रशासन में नेतृत्वकारी भूमिकाएँ निभा रही हैं। इंदिरा गाँधी और कल्पना चावला जैसी महान अग्रणियों का उदाहरण देख लें या शिक्षा और कार्यबल में महिलाओं की बढ़ती संख्या देख लें, अब भारत में एक मौन क्रांति आ रही है। महिलाओं का नेतृत्व केवल समानता की बात नहीं है; बल्कि यह वास्तव में विकसित और प्रगतिशील भारत के लिए आवश्यक है।'

रतन टाटा महाराष्ट्र स्टेट स्किल्स यूनिवर्सिटी की फाउंडिंग वाइस चांसलर डॉ. अपूर्व पालकर ने कहा, 'आज भारतीय उच्चतर शिक्षा में लगभग 48% नामांकन महिलाओं का हो रहा है, लेकिन केवल 9-10% ही बोर्डरूम तक पहुँच पाती हैं। यह केवल लिंग का अंतर नहीं दर्शाता - यह समावेशी विकास के पथ पर एक बहुत बड़ी कमी की ओर इशारा करता है। अगर देश के महत्वपूर्ण निर्णयों में महिलाएं शामिल नहीं हैं तो उन फैसलों से कभी भी समाज का सम्पूर्ण कल्याण नहीं हो पाएगा। 'विकसित भारत में महिलाओं का नेतृत्व' – एक ऐसा शिखर सम्मेलन है जो केवल एक कार्यक्रम से कहीं ज्यादा - बदलाव का मंच है। वीस्कूल जैसी संस्थानें ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र को आकार देने में मदद करती हैं, जहाँ महिलाओं की भूमिका मात्र भाग लेने तक सीमित नहीं है - बल्कि वे नेतृत्व भी करती हैं। विकसित भारत तभी संभव है जब देश के सभी वर्ग के नागरिक अपनी पूरी शक्ति के साथ विकास का मार्ग प्रशस्त करें।

महिला नेतृत्व में आत्मविश्वास और सांस्कृतिक आधार के महत्व पर बल दिया

शिखर सम्मेलन में कई प्रभावशाली वक्ताओं ने भाग लिया, जैसे डॉ. उज्ज्वला चक्रदेव (वाइस चांसलर, एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय) - जिन्होंने महिला नेतृत्व में आत्मविश्वास और सांस्कृतिक आधार के महत्व पर बल दिया; श्रीमती विनीता सिंघल, आईएएस (प्रमुख सचिव, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, महाराष्ट्र सरकार), श्रीमती राधिका रस्तोगी, आईएएस (प्रमुख सचिव, अपील एवं सुरक्षा, गृह विभाग, महाराष्ट्र सरकार), और श्रीमती मनीषा वर्मा, आईएएस (अतिरिक्त मुख्य सचिव, कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार विभाग, महाराष्ट्र सरकार) - जिन्होंने लिंग-समावेशी विकास को बढ़ावा देने में नीतियों के सुदृढ़ीकरण और जमीनी स्तर पर सशक्तिकरण के महत्व को उजागर किया। सुश्री आरती हरभजनका (फाउंडर एवं एमडी, प्राइमस पार्टनर्स), डॉ. तनया मिश्रा (ग्लोबल सीएचआरओ, इन-सॉल्यूशन ग्लोबल लिमिटेड), और सुश्री पोयनी भट्ट (पूर्व सीईओ, एसआईएनई -आईआईटी बॉम्बे) ने कॉर्पोरेट और स्टार्टअप इकोसिस्टम के माध्यम से समावेशी विकास को संभव बनाने पर अंतर्दृष्टि साझा की। डॉ. उपासना अग्रवाल (क्षेत्र अध्यक्ष - ओबीएचआर, आईआईएम मुंबई) और डॉ. मधुमिता पाटिल (सीईओ, चेतना इंस्टीट्यूट्स ऑफ मैनेजमेंट, मुंबई) सहित अकादमिक क्षेत्र से जुड़े कई हस्तियों ने शिक्षा और कौशल विकास में संस्थागत चुनौतियों के समाधान पर जोर दिया। लोक प्रशासन, उद्यमिता और शिक्षा जगत की कई अन्य महिला अग्रणियों ने भी इस संवाद में भाग लिया, जिससे यह शिखर सम्मेलन वास्तव में एक समावेशी और क्रियाशील मंच बन पाया।

महिला सशक्तिकरण एक आर्थिक अनिवार्यता भी बने

यह कार्यक्रम न केवल ज्ञान साझा करने का एक मंच बना बल्कि इस दिशा में कार्यवाही करने की एक अपील भी थी ताकि महिला सशक्तिकरण एक राष्ट्रीय प्राथमिकता ही नहीं बल्कि एक आर्थिक अनिवार्यता भी बने। शिखर सम्मेलन का समापन साझा दृष्टिकोण के साथ हुआ: एक ऐसा समाज बनाना जहाँ महिलाएँ सभी क्षेत्रों में नेतृत्व करें, और उनकी आवाज़ एक सच्चे विकसित भारत के भविष्य को आकार दे। प्रिंन एल. एन. वेलिंगकर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट डेवलपमेंट एंड रिसर्च (वीस्कूल) का परिचय: वीस्कूल भारत के प्रमुख प्रबंधन संस्थानों में से एक है, जो शिक्षा और नेतृत्व के प्रति अपने अभिनव दृष्टिकोण के लिए प्रसिद्ध है। वीस्कूल को उद्योग-प्रशिक्षित पेशेवर तैयार करने के लिए जाना जाता है। ये विभिन्न प्रकार के पाठ्य कार्यक्रम उपलब्ध कराते हैं जिससे छात्र भारतीय मूल्यों के साथ जुड़े रहकर जटिल वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनते हैं। पीजीपीटीएम प्रोग्राम जैसी अपनी अग्रणी पहलों के माध्यम से, वीस्कूल प्रबंधन शिक्षा को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है और भविष्य के अग्रणियों को आकार दे रहा है।

बरसात में भी सुरक्षित और हरियाली भरा सफर

ओडिसी इलेक्ट्रिक स्कूटर के साथ

एजेंसी ● मुंबई

जैसे ही देश के कई शहरों में बारिश शुरू होती है, रोज़मर्रा का सफर लोगों के लिए एक बड़ी परेशानी बन जाता है। सड़कों पर पानी भर जाता है, बसें और ट्रेनें लेट हो जाती हैं, और ट्रैफिक जाम आम बात हो जाती है। लेकिन इन मुसीबतों के बीच अब एक नया और आसान हल सामने आ रहा है इलेक्ट्रिक स्कूटर। ये अब केवल इको-फ्रेंडली विकल्प नहीं रह गए, बल्कि मानसून में भी भरोसेमंद साथी बनते जा रहे हैं। चाहे हल्की फुहार हो या पानी से भरी सड़कें, ये सफर को आसान और टिकाऊ बना रहे हैं।

लॉन्च

इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की इस बदलाव भरी दुनिया में 'ओडिसी इलेक्ट्रिक' सबसे आगे है, जो भारत में इस क्षेत्र का एक भरोसेमंद नाम बन चुका है। परफॉर्मेंस, सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने ऐसे स्कूटर तैयार किए हैं, जो भारतीय मानसून की चुनौतियों का आत्मविश्वास से सामना कर सकें। ओडिसी स्कूटर में IP67 रेटिंग वाले वॉटरप्रूफ मोटर और बैटरी दी गई हैं, जो बारिश और पानी के छींटों से बेहतरीन सुरक्षा देती हैं। इससे जरूरी पार्ट्स पानी में भी सुरक्षित रहते हैं चाहे आपको पानी भरी सड़कों से गुजरना हो या अचानक तेज बारिश हो जाए। ओडिसी के स्कूटर हर मौसम के लिए तैयार रहते हैं और लंबे समय तक साथ निभाते हैं।

ओडिसी के बेहतरीन मॉडलों में हाल ही में लॉन्च किया गया 'SNAP' स्कूटर भी शामिल है, जो शानदार वॉटरप्रूफिंग के साथ अब सन मोबिलिटी की साझेदारी से बैटरी स्वैपिंग टेक्नोलॉजी से भी लैस है। इससे यूज़र कुछ ही मिनटों में बैटरी बदल सकते हैं – न चार्जिंग स्टेशन की चिंता, न बारिश में रुकने की परेशानी। यह सुविधा खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जिन्हें हर मौसम में स्कूटर की जरूरत होती है।

ओडिसी के स्कूटर भारतीय सड़कों को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं। इनकी बॉडी मज़बूत है, वायरिंग पूरी तरह सील है और जंग लगने से बचाने वाले मटेरियल का इस्तेमाल किया गया है। ट्यूबलेस टायर्स में खास ग्रिप है, जिससे गीली सड़कों पर फिसलने का खतरा कम होता है। साथ ही, इन स्कूटरों में रीजेनेरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम दिया गया है, जिससे ब्रेकिंग स्मूद होती है और बैटरी की एनर्जी भी बचती है।

मानसून आते ही इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर कई तरह की गलतफहमियां सामने आने लगती हैं जैसे कि बारिश में स्कूटर चलाने से सिस्टम खराब हो सकता है, इलेक्ट्रिक पार्ट्स को नुकसान होगा या गीली सड़कों पर फिसलन ज्यादा होगी। ओडिसी इलेक्ट्रिक इन सभी भ्रमों को दूर करने में लगातार जुटा है। सील्ड इलेक्ट्रॉनिक्स, वॉटर-रेजिस्टेंट डिज़ाइन और मजबूत परफॉर्मेंस के दम पर ओडिसी यह साबित कर रहा है कि इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर हर मौसम में सुरक्षित और भरोसेमंद हो सकते हैं। बारिश के मौसम में सफर को और भी सुरक्षित बनाने के लिए ओडिसी कुछ आसान सुझाव भी देता है जैसे गहरे पानी से बचें, स्कूटर को सूखी और ढकी हुई जगह पर खड़ा करें और वहीं चार्ज करें। साथ ही, टायर और ब्रेक की समय-समय पर जांच करते रहें ताकि उनकी पकड़ और परफॉर्मेंस बनी रहे। भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी तेजी से लोकप्रिय हो रही है और इसी के साथ ओडिसी इलेक्ट्रिक भी अपने नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रहा है। देशभर में नए डीलरशिप और सर्विस सेंटर्स खोलकर कंपनी ग्राहकों को बेहतर सुविधा और भरोसेमंद सेवा देने के लिए तैयार है।

सिल्वर्टन इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

एजेंसी ● मुंबई

सिल्वर्टन इंडस्ट्रीज लिमिटेड पर्यावरण अनुकूल विशेष कागज के निर्माण और डिस्ट्रीब्यूशन में संलग्न और अपने एकीकृत परिचालनों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के अंतिम उपयोग उद्योगों को सेवाएं करती है। कंपनी के कागज आधारित उत्पादों की व्यापक श्रृंखला में (i) लेखन और प्रिंटिंग कागज, (ii) क्राफ्ट पेपर; (iii) कपस्टॉक पेपर, और (iv) अन्य विशिष्ट श्रेणी के कागज शामिल हैं। हमारे उत्पादों का उपयोग (i) खुदरा, कॉर्पोरेट, शैक्षिक और सरकारी क्षेत्रों, (ii) पैकेजिंग, एफएमसीजी और सेकंडरी पैकेजिंग, (iii) खाद्य एवं पेय पैकेजिंग, त्वरित सेवा वाले रेस्टोरेंट के लिए सेकंडरी और तरल पैकेजिंग (iv) लेबल एवं स्टेशनरी सॉल्यूशन और (v) फार्मास्युटिकल क्षेत्र के लिए पैकेजिंग आदि में किया जाता है।

सिल्वर्टन इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड ('सेबी') के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस ('डीआरएचपी') दाखिल कर दिया है। कंपनी की योजना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से इक्विटी शेयरों (प्रत्येक 5 रुपये अंकित मूल्य) के ऑफरिंग के माध्यम से धन जुटाने की है, जिसमें कुल 3000 मिलियन रुपये (300 करोड़ रुपये) तक के नए इक्विटी शेयरों का निर्गम ('नया निर्गम') और विक्रय शेयरधारकों द्वारा कुल 32,200,000 इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल ('बिक्री प्रस्ताव') शामिल है।

कंपनी शुद्ध आय का उपयोग निम्नलिखित के लिए करने का प्रस्ताव करती है (i) 14 मेगावाट कचरा से ऊर्जा कैप्टिव पावर प्लांट ('कैप्टिव पावर प्लांट') और कंप्रेस्ड बायो गैस ('सीबीजी') संयंत्र की स्थापना के माध्यम से मौजूदा विनिर्माण सुविधा के भीतर स्थिरता पहलों में निवेश के लिए पूंजीगत खर्च की जरूरतों पूरा करना, जिसका अनुमानित मूल्य 1,775.07 मिलियन रुपये है, (ii) रिवाइंडर और शीटर क्षमता में वृद्धि और इन हाउस वेयरहाउस के निर्माण के माध्यम से मौजूदा विनिर्माण सुविधा में कंपनी की पूंजीगत खर्च की जरूरतों को पूरा करना, जिसका अनुमानित मूल्य 346.39 मिलियन रुपये है, (iii) कंपनी द्वारा लिए गए कुछ उधारों का आंशिक या पूर्ण पुनर्भुगतान और/या पूर्व भुगतान, जिसका अनुमानित मूल्य 720.00 मिलियन रुपये है और शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए ('जारी करने का उद्देश्य') की जाएगी।

टाटा डिजिटल और ज़ोमैटो की साझेदारी टाटा नेउ एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड के ज़रिए

ऑनलाइन फ़ूड ऑर्डर पर अनलिमिटेड रिवॉर्ड्स देगी

मुंबई। लाखों भारतीयों के लिए फ़ूड ऑर्डरिंग अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, फ़ूड ऑर्डरिंग और डिलीवरी प्लेटफ़ॉर्म, ज़ोमैटो ने टाटा डिजिटल के साथ एक रोमांचक साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी ने एक डिस्काउंट ऑफ़र प्रोग्राम प्रस्तुत किया है। टाटा नेउ एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड (नेउकार्ड) के साथ ज़ोमैटो पर अपने फ़ूड ऑर्डर का पेमेंट करने वाले यूज़र्स के लिए यह डिस्काउंट प्रोग्राम असाधारण मूल्य प्रदान करेगा। नेउकार्ड टाटा डिजिटल का को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड है, जिसमें टाटा डिजिटल को-ब्रांडिंग पार्टनर है और एचडीएफसी बैंक कार्ड जारीकर्ता है। इस रणनीतिक गठबंधन के तहत, ज़ोमैटो पर नेउकार्ड का इस्तेमाल करने वाले ग्राहक अब इस प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए किए गए हर ट्रांज़ैक्शन पर ज़ोमैटो मनी के रूप में 10% तक कैशबैक का लाभ उठा सकेंगे। यह ऑफ़र कम से कम 99 रुपये के ऑर्डर वाले सभी फ़ूड डिलीवरी ऑर्डर पर मिलेगा। इन क्रेडिट का उपयोग भविष्य के ऑर्डर के लिए आसानी से किया जा सकता है, जिससे ऑनलाइन ऑर्डर किए गए फ़ूड की लागत प्रभावी रूप से कम होगी और यूज़र्स बार-बार खरीदारी करने के लिए प्रोत्साहित होंगे।

जे.पी. यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी

एजेंसी ● मुंबई

गुना, मध्य प्रदेश जे.पी. यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (जेयूईटी), उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्टता का एक प्रतिष्ठित केंद्र बनकर उभरा है। यूजीसी से मान्यता प्राप्त और एनएएसी से A+ प्रत्यायन प्राप्त यह संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अत्याधुनिक अनुसंधान और समग्र छात्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। 122.5 एकड़ में फैले इस परिसर में इंजीनियरिंग, विज्ञान, मानविकी और प्रबंधन के क्षेत्र में स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा और पीएच.डी. कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं। स्मार्ट क्लासरूम, उच्च गति इंटरनेट, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं और समृद्ध लर्निंग रिसोर्स सेंटर आधुनिक शिक्षा को नया आयाम देते हैं।

केंद्र

छात्र सुविधाएं और जीवनशैली – जेयूईटी का छात्रावास वातानुकूलित कमरों, 24/7 इंटरनेट और सुरक्षित वातावरण के साथ घर जैसा अनुभव देता है। 1600 लोगों की क्षमता वाला अन्नपूर्णा डाइनिंग हॉल और एक विविध मेन्यू के साथ कैफेटेरिया

नवाचार, उत्कृष्टता और समग्र विकास का गढ़

अनुसंधान और नवाचार का केंद्र

रमनुजन यूनिवर्स : एआई और बिग डेटा अनुसंधान के लिए सुपरकंप्यूटिंग सुविधा।
विंड टनल : बाउंड्री लेयर विंड टनल के साथ पवन इंजीनियरिंग के लिए समर्पित केंद्र।
अनुसंधान एवं विकास निदेशालय : हाइड्रो और थर्मल पावर प्रोजेक्ट्स में अग्रणी भागीदारी।

डिजिटल लर्निंग और भविष्य की शिक्षा

डिजिटल लर्निंग सेंटर (DLC) में आधुनिक स्टूडियो, रिव्यू थिएटर और एआई-संचालित शिक्षण सुविधाएं उपलब्ध हैं जो छात्रों को पारंपरिक कक्षा से परे ले जाती हैं।

प्लेसमेंट और वैश्विक सहयोग

200+ कंपनियों के साथ मजबूत संबंध, लगभग 100% प्लेसमेंट, और 5000+ पूर्व छात्रों का वैश्विक नेटवर्क जेयूईटी की औद्योगिक प्रासंगिकता को दर्शात हैं। फ्लोरिडा विश्वविद्यालय और आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी जैसे संस्थानों से साझेदारी इसे वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धी बनाती है।

सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास के लिए लेह उप-कार्यालय का उद्घाटन

ग्रामीण परिवर्तन के प्रति दूरदर्शी पहलों के साथ नाबार्ड ने मनाया अपना 44 वां स्थापना दिवस

एजेंसी ● मुंबई

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक(नाबार्ड) ने चेन्नै में एक भव्य कार्यक्रम के माध्यम से अपना 44वाँ स्थापना दिवस समारोह मनाया। यह आयोजन भारत के ग्रामीण विकास में नाबार्ड की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है और संस्था की दूरदृष्टि के तहत आने वाले नए युग की शुरुआत को चिन्हित करता है। इस अवसर पर नीतिनिर्माता, राज्य सरकारों के अधिकारी, बैंकिंग क्षेत्र के प्रमुख और आधार स्तर पर काम करने वाले नवप्रवर्तक उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में वित्तीय सेवाएँ विभाग के सचिव श्री एम। नागराजू, तमिलनाडु सरकार के मुख्य सचिव श्री एन। मुरुगानंदम की विशेष गरिमामयी उपस्थिति के साथ नाबार्ड के अध्यक्ष श्री शाजी के। वी।, उप प्रबंध निदेशक श्री जी। एस। रावत और उप प्रबंध निदेशक श्री ए। के। सूद भी उपस्थित थे। इनके साथ इंडियन बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक के प्रबंध निदेशक, नाबार्ड के वरिष्ठ अधिकारी तथा केंद्र और राज्य सरकारों के प्रतिनिधि भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस वर्ष का मुख्य विषय था 'समावेशी विकास के लिए ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहन', जिस पर एक विचारोत्तेजक चर्चा का आयोजन हुआ। इस अवसर पर भारत के पारंपरिक हस्तशिल्प, कृषि उत्पादों और ग्रामीण नवोन्मेषों को दर्शाने वाली एक प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें ग्रामीण भारत की गतिशील ऊर्जा और नवोन्मेषों की झलक देखने को मिली।

उद्घाटन

डीएफएस के सचिव श्री एम. नागराजू ने कहा

"नाबार्ड ने पिछले चार दशकों में भारत की ग्रामीण विकास रणनीति का आधार बनकर कार्य किया है. इसके कार्यक्रम सरकार की उस दृष्टि को दर्शाते हैं जिनमें समावेशी और भविष्य के लिए तैयार ग्रामीण अर्थव्यवस्था की परिकल्पना की गई है. जलवायु परिवर्तन और डिजिटल अवसरों से भरे वर्तमान युग में, नाबार्ड की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी के.वी ने अपने संबोधन में कहा:

'हमारा 44 वर्षों का यह सफर ग्रामीण परिवर्तन के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। वित्तीय पहुंच से लेकर नवोन्मेष और अनुकूलता बढ़ाने तक, हमने लाखों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। भारत जब समावेशी और संधारणीय विकास की ओर अग्रसर हो रहा है, इस यात्रा में नाबार्ड अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तत्पर है। हमारा फोकस अब उच्च प्रभाव वाले उपायों के विस्तार, उद्यमशीलता, परिस्थितिकी तंत्र को पोषित करने और संधारणीय विकास को केंद्र में रखने पर है।'

तमिलनाडु के मुख्य सचिव एन। मुरुगानंदम ने कहा

- "नाबार्ड का सहयोग तमिलनाडु में ग्रामीण आजीविका बढ़ाने और आत्मनिर्भर समुदायों को सशक्त बनाने में बेहद अहम रहा है। स्वयं सहायता समूहों को समर्थन, बुनियादी ढांचे को मजबूती और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने की दिशा में नाबार्ड के प्रयास सराहनीय हैं।"
- इस अवसर पर कई नई पहलें भी लॉन्च की गईं, जो नाबार्ड की विस्तारशील भूमिका को दर्शाती हैं।
- लेह, लद्दाख में उप-कार्यालय का उद्घाटन: भारत के दूरस्थ क्षेत्रों में ऋण, क्षमता निर्माण और विकास वित्त तक पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम।
- नाबार्ड का आधिकारिक WhatsApp चैनल: एफपीओ जानकारी, बाजार सलाह और उत्पाद अपडेट्स सीधे ग्रामीण हितधारकों तक पहुंचाने हेतु।
- रेडियो जिंगल अभियान: आकाशवाणी और कम्युनिटी रेडियो के माध्यम से ग्रामीण व अर्ध-शहरी श्रोताओं में बचत, ऋण और बीमा के प्रति जागरुकता।
- ग्रॅज्युएटेड रुरल इन्कम जनरेशन प्रोग्राम (जीआरआयपी) : अत्यंत गरीब ग्रामीण परिवारों को पुनर्भरणीय अनुदान और कौशल सहायता द्वारा औपचारिक वित्तीय गतिविधियों में जोड़ने का अभिनव प्रयास।
- रुरल टेक्नोलॉजी को-लैब पोर्टल: स्टार्टअप्स, अनुसंधान संस्थाओं और तकनीकी डेवलपर्स को ग्रामीण-केंद्रित तकनीकों की सह-निर्मिति, परीक्षण और स्केलिंग हेतु एक खुला नवाचार मंच।
- 'निवारण' प्लेटफॉर्म: ग्रामीण सहकारी बैंकों के लिए 24x7 डिजिटल शिकायत निवारण प्रणाली।

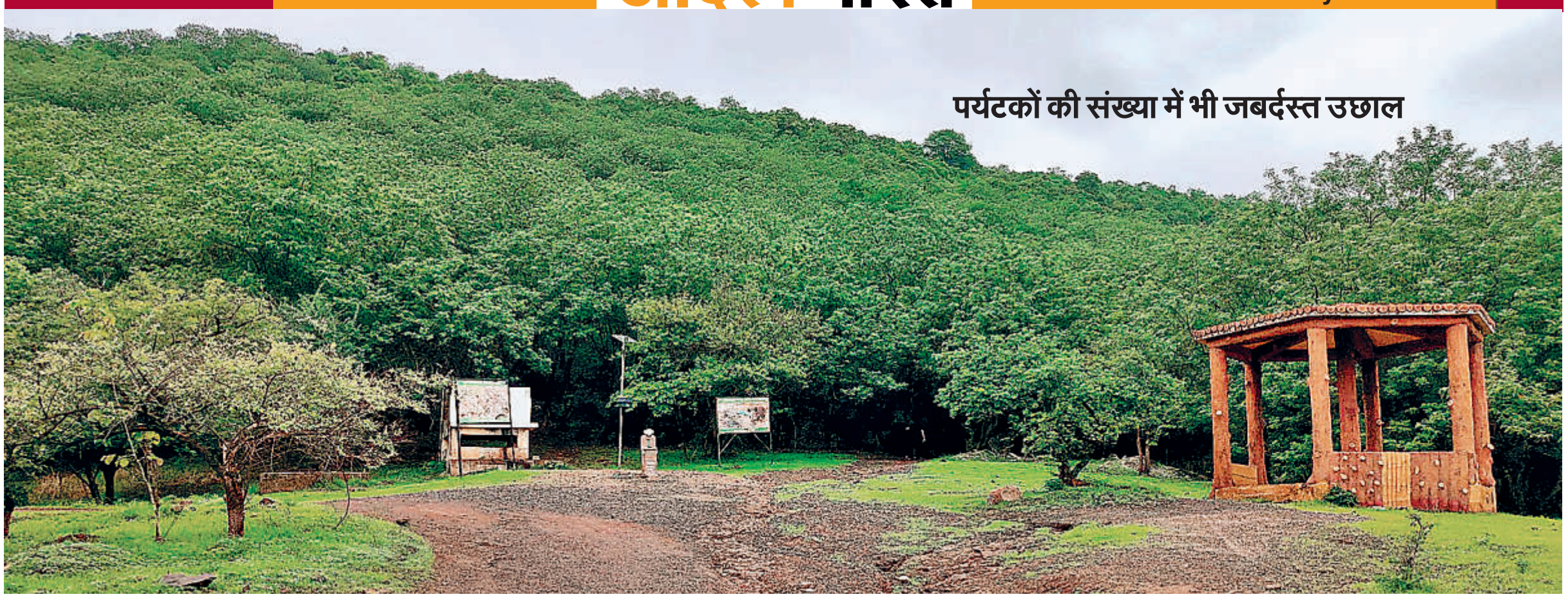

पर्यटकों की संख्या में भी जबर्दस्त उछाल

रालामंडल : 29 जून से 13 जुलाई तक 4 लाख 46 हजार का मिला राजस्व

संवाददाता ● इंदौर

आंकड़ा

लगातार तीसरे को भी रालामंडल वन्यजीव अभयारण्य पर्यावरण प्रेमियों से आबाद रहा। 29 जून से 13 जुलाई तक राजस्व का आंकड़ा 4 लाख 45 हजार 830 तक पहुंच गया है। 29 जून को 3944 पर्यटक, 06 जुलाई को 4240 तो 13 जुलाई को 4020 पर्यटक पहुंचे। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार इस रविवार को 4020 जो पर्यटक रालामंडल पहुंचे, उनमें 111 चार पहिया और करीब 695 दो पहिया वाहन से पहुंचे। इनमें से 262 पर्यटको ने एंट्री फीस और पार्किंग शुल्क चुकाने के अलावा 130 पर्यटकों ने डियर सफारी का और 620 पर्यटकों ने शिकारगाह संग्रहालय के अलावा 382 पर्यटकों ने तितली पार्क का आनन्द लिया। बारिश कम होने के चलते चोरल, महू, मानपुर इलाके वाले पर्यटन स्थलों पर पर्यटक कम पहुंच रहे हैं। इसके अलावा जागरूकता के चलते पर्यटक अब जहां जोखिम वाले पर्यटन स्थलों पर जाने के लिए कतराने लगे है, वहीं प्रशासन द्वारा पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा सम्बन्धित सख्ती के चलते दुस्साहसी पर्यटकों पर भी लगाम लगी है। इन सब कारणों का फायदा रालामंडल को मिल रहा है।

तितली पार्क ने भी दिया राजस्व

रालामंडल वन्यजीव अभयारण्य में लगभग 10 लाख रुपए की लागत से बने तितली पार्क में पहली बार 382 पर्यावरण प्रेमी 10 रुपए का टिकट लेकर रंग-बिरंगी तितलियां निहारने पहुंचे। तितली पार्क से 3 हजार 820 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। पिछली बार की अपेक्षा 220 कम पर्यटक पहुंचने के बावजूद ज्यादा राजस्व प्राप्त होने में तितली पार्क की भी भूमिका रही है।

शॉट न्यूज

कीचड़ उड़ाने पर स्कूल बस चालक की पिटाई

इंदौर। बारिश के मौसम में तेज रफ्तार एक स्कूल बस से बाइक सवारों पर कीचड़ उड़ जाने को लेकर हुए विवाद में मारपीट हो गई। बाइक सवार आरोपियों ने बस के चालक को रोककर कहा कि हम पर कीचड़ क्यों उड़ाया और उसकी लात-घुसों से पिटाई कर दी। देहात पुलिस ने केस दर्ज किया है। थाना सांवेर पुलिस के मुताबिक मारपीट की घटना ग्राम किठौदा में हुई। पुलिस ने फरियादी इंदर पिता बिहारीलाल चौधरी निवासी चंद्रभागा रावेर की रिपोर्ट पर आरोपी मलखान पिता बाबू निवासी कायस्थखेडी और उसके अन्य दो साथियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि मैं अपनी स्कूल बस लेकर जैसे ही आरा मशीन ईंट भट्टा के सामने पहुचा तभी आरोपी मलखान अपने दो अन्य साथी के साथ बाइक पर पीछे से आया और मेरी बस के आगे आकर बाइक अड़ाकर रोक लिया।

क्राइम ब्रांच के हत्थे चढ़ा गांजा तस्कर

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने रिजनल पार्क के समीप से एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।जिसके कब्जे से 10 किलो से ज्यादा अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त किया गया। क्राइम ब्रांच टीम के द्वारा सार्वजनिक इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन के पास रीजनल पार्क आरोपी सोहन डावर निवासी ग्राम शैल महेश्वर खरगोन को पकड़ा हैं।आरोपी से 10 किलो 504 ग्राम गांजा जब्त किया गया। आरोपी ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया जल्द रुपये कमाने की नियत से अवैध मादक पदार्थ सस्ते में खरीदीकर महंगे दामों पर नशे के आदि लोगों बिक्री करने का कार्य करता था। फिलहाल उससे आगे पूछताछ की जा रही हैं।

युवती को कमरे में बंधक बनाने वाले को पकड़कर पीटा

इंदौर। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने काजी की चाल क्षेत्र में एक युवती को कमरे में बंधक बनाने वाले आरोपी अयाज खान को पकड़कर जमकर पीटा और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। जरंग दल के कृष्ण कुमार को सूचना मिली थी कि 18 वर्षीय लड़की को वर्ग विशेष के युवक ने कमरे में बंधक बना रखा है। इस पर अंकित मौर्य , पीयूष कौशल आदि के साथ काजी की चाल स्थित एक घर पर पहुंचे और बंधक बनाकर युवती को मुक्त कराया और मकान मालिक आया अयाज पिता रियासत खान 52 साल को पकड़कर जमकर पीटा। पीड़िता ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह आरोपी के मकान में किराए से रहती है और उसने छेड़छाड़ कर उसे कमरे में बंद कर दिया था। बताया जाता है कि आरोपी अयाज खान के हत्या और दुष्कर्म का केस दर्ज है।

टिगरियाराव-कनाड़िया में होगा सर्वसुविधा वाला गार्डन का निर्माण : मंत्री सिलावट

सांवेर विधानसभा क्षेत्र के नगरीय सीमा के वार्ड नंबर 76 में लगभग 2 करोड़ रूपये लागत के विभिन्न विकास कार्यों के लिए भूमिपूजन

संवाददाता ● इंदौर

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने आज सांवेर विधानसभा क्षेत्र के नगरीय सीमा के वार्ड नंबर 76 में 2 करोड़ रूपये से अधिक राशि के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि टिगरियाराव कनाड़िया में गार्डन सर्वसुविधायुक्त होगा जिसमें बच्चों के लिए झूले, चकरी, कुर्सी के अलावा पेवर ब्लाक और जल गंगा संवर्धन योजनान्तर्गत वॉटर रिचार्ज साफ्ट से पानी के फव्वारे के साथ ही पाथ-वे और बाउण्ड्रीवाल का निर्माण भी किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह आदर्श वार्ड है, जिसमें अभी तक 50 करोड़ रूपये से अधिक की लागत से सीसी रोड, नाली, ड्रेनेज, स्ट्रीट लाईट, हाई मास्क लाईट, मुक्तिधाम, आंगनवाडी, गार्डन के साथ ही कनकावती नदी पर त्यौहार-तीज पर स्नान के लिए घाट बनाया गया है। इस वार्ड में नवीन तहसील कार्यालय और 10 करोड़ रूपये की लागत से नवीन हास्पिटल की सौगात भी मिली है, आने वाले वर्षों में पेयजल टंकी और सामुदायिक भवन की सुविधा भी मिलेगी। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य राजेश उदावत, कमल पटेल, विपिन जागीरदार, दिलीप ठाकुर, उल्लास सोनी, राम सिलावट, झोनल आफिसर धीरेन्द्र बायस सहित क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे।

रिमुव्हल कार्रवाई में निगम कर्मचारियों की अभद्रता रिकॉर्ड करेगा बॉडी वार्न कैमरा

इंदौर। रिमूवल की कार्रवाई के दौरान नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा की जाने वाली अभद्रता को रिकॉर्ड करने के लिए अब निगम कर्मचारियों को बॉडीगार्ड कैमरे से लैस किया जाएगा।इससे यदि कोई व्यक्ति मारपीट करता है, ठेला पलटाता है, जेसीबी के आगे लेटता है या अन्य कोई कृत्य करता है जिससे कार्रवाई में बाधा आती है तो वह कैमरे में कैद हो जाएगा और उसके खिलाफ पुलिस में सबूत के साथ शिकायत की जाएगी। जानकारी अनुसार नगर निगम के सेंट्रल स्टोर ने बाडी वार्न कैमरे खरीदी के लिए टेंडर जारी कर दिय गये हैं। इन टेंडरों को इसी महीने की आखिरी तारीख को खोला जाएगा। पिछले कुछ साल से नगर निगम लगातार सड़क चौड़ीकरण, अतिक्रमण कब्जे हटाना, अवैध निर्माण तोड़ना, ठेले गुमटी जब्त करना जैसी कार्रवाई तेजी से कर रहा है। इस दौरान विवाद की स्थिति भी निर्मित होती है और कर्मचारी दबाव में आकर कभी कभी बिना कार्रवाई के ही दलबल के साथ वापस आ जाते हैं। इससे लोगों को और बल मिलता है तथा निगम की किरकिरी हो जाती है।मारपीट, जेसीबी के आगे लेटना, घासलेट डालना, ठेला पलटाना जैसी घटना के बाद सोशल मीडिया पर फोटो, वीडियो वायरल होने के निगम अधिकारियों, कर्मचारी की थू-थू होती है। अब ऐसी ही घटनाओं पर रोक के लिए कर्मचारियों को बॉडी वार्न कैमरे दिये जाएंगे जिससे कोई भी अप्रिय घटना होने पर हंगामा, विवाद करने वाला व्यक्ति पहचाना जा सके और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके।

नगर निगम के सेंट्रल स्टोर ने जारी किए टेंडर इसी माह आखिरी तारीख को खोलेंगे

पालदा स्थित पेट्रोल पंप में स्टॉक में अंतर की अनियमितता-पीयूसी नहीं लगा होने पर प्रकरण दर्ज

जिले में कलेक्टर के निर्देश पर पेट्रोल पंपों की सघन जांच जारी

संवाददाता ● इंदौर

निर्देश

इंदौर जिले में पेट्रोल पंप पर उपभोक्ताओं के लिए आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता एवं पेट्रोल डीजल मानक स्तर तथा मानक माप का दिए जाने के संबंध में कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर लगातार अभियान चलाकर पेट्रोल पंप की जांच की जा रही है। सोमवार को खाद्य विभाग के जांच दल द्वारा नेमावर रोड पालदा स्थित जियो बीपी के पेट्रोल पंप धर्मावत पेट्रोलियम कंपनी का औचक निरीक्षण किया गया। जांच कार्य पेट्रोल पंप के पार्टनर/मालिक सौरभ धर्मावत और पंचों की उपस्थिति में किया गया। जिला आपूर्ति नियंत्रक एमएल मारू ने बताया कि जांच के समय पेट्रोल पंप पर दो भूमिगत टैंक पाए गए, जिसमें एक टैंक एमएस क्षमता 20 kl, दूसरा टैंक HSD क्षमता 40 kl पाया गया।

पेट्रोल पंप के दोनों टैंक से घनत्व परीक्षण करने पर सही पाया गया। मौके पर अधिकारियों द्वारा दोनों भूमिगत टैंक से डिस्पेंसिंग यूनिट से टोटलाइजर रीडिंग लेकर जांच दिनांक स्टॉक से मिलान कर भौतिक सत्यापन किया गया। एमएस 20 kl टैंक के भौतिक सत्यापन में कोई अनियमितता नहीं पाई गई। HSD 40 kl के टैंक में भंडारित मात्रा शासन द्वारा निर्धारित छूट सीमा से अधिक पाई गई जो कि संदेहास्पद होने से मौके पर अधिकारियों द्वारा HSD में पाई गई अनियमितता पर HSD का सम्पूर्ण स्टॉक 5169 लीटर को सौरभ धर्मावत से जप्त किया गया। मौके पर HSD के 03 नग नमूने लिए गए है जिसे प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा जा रहा है।

पंप पर मौके पर पीयूसी की स्थापना होना नहीं पाया गया, जबकि परिवेशीय वायु गुणवत्ता के सुधार के लिए टास्क फोर्स द्वारा 20 जून 2025 को जिला स्तरीय निगरानी एवं क्रियान्वयन समिति के बैठक में सभी पेट्रोल पंपों पर 15 दिवस में पीयूसी स्थापित करने के लिए समय सीमा तय कर ऑयल कंपनीज को सख्त निर्देश दिए गए थे कि समय सीमा में पीयूसी नहीं लगाने वाले पेट्रोल पंप पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उक्त पंप पर पीयूसी नहीं लगा होने पर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। पंप पर शौचालय में भी ताला लगा मिला। जांच कार्यवाही सहायक आपूर्ति अधिकारी कल्पना परामाणिक, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी राहुल शर्मा और सुचिता दुबे द्वारा की गई। पेट्रोल पंपों के निरीक्षण जांच का अभियान निरंतर जारी रहेगा।

पुलिस ने ली गुंडे बदमाशों की क्लास अपराध से दूर रहने की दिलाई शपथ

संवाददाता ● इंदौर

समझाइश

शहर के अलग-अलग थानों पर इन दिनों पुलिस द्वारा अपराधियों की पाठशाला ली जा रही हैं। अपराधियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने कब उद्देश्य से इस नई मुहिम को चलाया जा रहा हैं।कल भी शहर के दो थानों छत्रीपुरा व खजराना में पुलिस अफसरों ने गुंडो को थाने बुलाकर समझाइश देते हुए अपराध से दूर रहने की नसीहत देते हुए शपथ दिलाई। छत्रीपुरा थाना पर टीआई केपीएस यादव द्वारा अपराधियों की क्लास ली गई।पुलिस ने अपराधियों से सवाल किया कि क्या अपने बच्चों को भी खुद के जैसा बनाना चाहते हो? जब बदमाशों ने इंकार किया तो उन्हें समझाइश दी गई अब अपराधिक वारदातों से दूर रहे हैं। इसी तरह खजराना थाना पर एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह के निर्देशन में टीआई मनोज सेंधव द्वारा क्षेत्र के करीब 18 बदमाशों को थाना बुलाकर अपराध से दूर रहने की शपथ दिलाई गई।

574 वरिष्ठ नागरिकों ने लिया नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण और परामर्श का लाभ

आयुष विभाग ने लगाए बुजुर्ग लोगों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर

संवाददाता ● इंदौर

पहल

आयुष विभाग ने आज बुजुर्ग और उपशामक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं थीम पर आधारित विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया। यह शिविर शासकीय आयुर्वेद औषधालय के 14 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (आयुष) में आयोजित किए गए, जिसका उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना था। शिविर में 574 वरिष्ठ नागरिकों ने नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण और परामर्श का लाभ उठाया।

वरिष्ठ नागरिकों को अक्सर विभिन्न स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें हृदय रोग, मधुमेह, जोड़ों का दर्द, श्वास संबंधी रोग, मनोभ्रंश और अल्जाइमर रोग प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त, सुनने और समझने की क्षमता में कमी, गिरने का खतरा, अवसाद, अकेलापन, असंयम और कब्ज जैसी समस्याएं भी उनके स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया ने बताया कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर इन समस्याओं से बचा जा सकता है। उन्होंने पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार, धूम्रपान से परहेज, नियमित शारीरिक परीक्षण, जांच और टीकाकरण की सलाह दी। साथ ही, उन्होंने रैंप के उपयोग, हल्के-फुल्के खेल खेलने और संगोष्ठी में भाग लेने से मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होने की बात कही। डॉ. बारिया ने यह भी बताया कि समय पर दवाएं लेना, नियमित योग, प्राणायाम और आसन करने से अवसाद और मनोरोग में सहायता मिलती है। स्वस्थ जीवनशैली के विकल्प, नियमित जांच, सामाजिक सहयोग और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच जीवन को सुरक्षा प्रदान करती हैं।

आज के स्वास्थ्य शिविरों में, थीम के अनुसार बुजुर्ग ग्रामीणों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें रक्तशर्करा, हीमोग्लोबिन और ब्लड प्रेशर आदि की जांच शामिल थी। शिविरों में निशुल्क औषधियां भी वितरित की गईं। वृद्धवस्था में होने वाले रोगों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई, और वरिष्ठ नागरिकों को योग करने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें योग के माध्यम से मानसिक तनाव में मिलने वाले लाभों के बारे में भी बताया गया। इसके अलावा, बुजुर्गों की देखभाल के लिए एक केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने के महत्व पर भी चर्चा की गई और घरवालों को इस विषय में जानकारी दी गई। वर्षा ऋतु में होने वाले रोगों और उनसे बचाव के उपायों के बारे में भी प्रतिभागियों को अवगत कराया गया।

संपादकीय

सीएम के साथ सुरक्षाकर्मियों की झूमाझटकी

श्रीनगर में सोमवार को जो कुछ देखने को मिला है वह बड़ा आश्चर्यचकित करने वाला है। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को शहीद दिवस मनाने को लेकर पहले उन्हें घर पर ही हाउस अरेस्ट किया गया। इसके बाद भी जब वह शहीद दिवस मनाने के लिए जबरदस्ती अपने घर से निकले तो सुरक्षा कर्मियों ने उनको रोकने का प्रयास किया। वह नहीं माने और मंत्रियों के साथ कब्रिस्तान में जाकर 1931 में हुए शहीदों के नाम पर फातिहा पढ़ना चाह रहे थे। उन्हें रास्ते में ही रोक लिया गया। सुरक्षा कर्मियों ने मुख्यमंत्री के साथ झूमाझपटी की। इसके बाद भी वह रुके नहीं, स्कूटर से वह कब्रिस्तान की ओर रवाना हुए। रास्ते में उन्हें फिर रोक दिया गया। लगभग 1 किलोमीटर पैदल चलते हुए वह नक्शबंद की साहिब कब्रिस्तान पर पहुंचे। कब्रिस्तान का दरवाजा बंद था, वहाँ सुरक्षा कर्मी खड़े हुए थे। उन्होंने दीवाल फांदकर कब्रिस्तान के अंदर प्रवेश किया। वहां उन्होंने शहीदों की याद में फातिहा पड़ा। उसके बाद वह बाहर निकले। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया पर अपने साथ हुए व्यवहार की फोटो और वीडियो पोस्ट की। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया है, उप राज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा शहीदी दिवस मनाने से रोकना पूरी तरह गलत था। पिछले कई दशकों से शहीद दिवस पर फातिहा पढ़ने के लिए जाया जाता था। फौत हो चुके बुजुर्गों और शहीदों की याद में फातिहा पढ़ना हमारा अधिकार है। मैं एक निर्वाचित मुख्यमंत्री हूं। मेरे ही राज्य में सुरक्षाकर्मियों द्वारा उप राज्यपाल के आदेश पर मुख्यमंत्री और मंत्रियों के साथ जिस तरह की झूमाझटकी की गई है, उससे ऐसा लगता है, हम स्वतंत्र नहीं हैं। एक गुलाम प्रदेश का निर्वाचित मुख्यमंत्री हूं। जम्मू कश्मीर की सत्ता केंद्र सरकार और उपराज्यपाल के हाथों में है। केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के समय जिस तरह के हालात वहां देखने को मिलते रहे, अब वही हालात जम्मू कश्मीर में देखने को मिल रहे हैं। जम्मू कश्मीर एक स्वतंत्र राज्य था। केंद्र ने पूर्ण राज्य का दर्जा खत्म करके केंद्र शासित प्रदेश के रूप में तब्दील कर दिया है। जम्मू कश्मीर विधानसभा के चुनाव हो गए हैं। केंद्र सरकार ने पूर्ण राज्य का दर्जा वापस करने के लिए सुप्रीम कोर्ट और लोकसभा में आश्वासन दिया हुआ है। शहीद दिवस के रूप में कब्रिस्तान में जाकर फातिहा पढ़ना उनका धार्मिक और निजी मामला था।

अब वोटर बनने के लिए नागरिकता का शिगूफा!

हाल ही में सरकार की नई घोषणा ने लोगों को चौंका दिया है। अब आधार और पैन की जगह दो नए दस्तावेजों को नागरिकता प्रमाण के तौर पर मान्यता दी जा रही है।

– डॉ. श्रीगोपाल नारसन

लेखक ज्वलंत मुद्दों के जानकार वरिष्ठ पत्रकार है।

अब तक भारत में पहचान और नागरिकता साबित करने के लिए आधार कार्ड और पैन कार्ड को सबसे जरूरी दस्तावेज माना जाता था। लेकिन हाल ही में सरकार की नई घोषणा ने लोगों को चौंका दिया है। अब आधार और पैन की जगह दो नए दस्तावेजों को नागरिकता प्रमाण के तौर पर मान्यता दी जा रही है। यह बदलाव खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है जो आधार या पैन कार्ड नही बनवा पाए है। इन दो दस्तावेजों में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर में नाम व नागरिकता प्रमाणपत्र को अब पहचान और नागरिकता के पुख्ता सबूत के रूप में स्वीकार किया जाएगा, खासकर सरकारी योजनाओं, पासपोर्ट आवेदन, नौकरी या बैंक खाता खोलने जैसे मामलों में ये दस्तावेज काम आएंगे।यदि आपका नाम राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर में में नहीं है, तब आप नागरिकता प्रमाणपत्र के माध्यम से अपनी नागरिकता साबित कर सकते हैं। यह प्रमाणपत्र केंद्र सरकार या राज्य सरकार द्वारा जारी किया जाता है। नागरिकता प्रमाणपत्र लेने के लिए जरूरी दस्तावेज में जन्म प्रमाणपत्र या स्कूल का प्रमाणपत्र,साथ ही माता-पिता की नागरिकता से जुड़े दस्तावेज,इसके लिए सन 1950 से पहले का कोई भी निवास प्रमाणपत्र जैसे जमीन का रिकॉर्ड, राशन कार्ड आदि जिसे शपथ पत्र व दो गवाहों द्वारा सिद्ध किया जा सकता है। दरअसल आधार कार्ड एक पहचान पत्र है, लेकिन यह नागरिकता का प्रमाण नहीं है। वही पैन कार्ड मुख्यतः टैक्स से जुड़ा दस्तावेज है, जो नागरिकता को प्रमाणित नही करता।जिन लोगो का आधार कार्ड या पैन कार्ड में नाम, जन्मतिथि या पता गलत है या जो सन 1950 से पहले के प्रवासी हैं या जिनके पूर्वज दूसरे देश से आए थे।या जो शरणार्थी है या फिर सीमावर्ती क्षेत्रों में रहते हैं और जिनका राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर में नाम नहीं है और अब तक कोई वैध नागरिकता प्रमाणपत्र जिन्होंने नही बनवाया। उन सभी को तुरंत संबंधित दस्तावेज इकट्ठा करके अपना नाम राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर में नाम जुड़वाना चाहिए या नागरिकता प्रमाण पत्र प्राप्त करना चाहिए। इसके लिए हर राज्य में नागरिकता प्रमाणपत्र केंद्र बनाए जा रहे हैं। एनआरसी अपडेट करने की प्रक्रिया फिर से शुरू की जा रही है, जिसके लिएडिजिटल पोर्टल तैयार किया गया है, जहां से फॉर्म भरे जा सकते हैं।स्थानीय निकायों को निर्देश दिए गए हैं कि वे लोगों को उक्त दस्तावेज तैयार करने में मदद करें।सरकार ने अब तक भारत के प्रत्येक नागरिक को आधार कार्ड देने की मुहिम तो चलाई लेकिन नागरिकता प्रमाण पत्र के बारे में कभी नही सोचा गया। भले ही भाजपा ने सन 2014 के बाद अभी तक ज्यादातर चुनाव बिना किसी डर के जीते है लेकिन जब तीसरे आम चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 400 पार का नारा जनता ने नकार दिया तो भाजपा को सत्ता में बने रहने की फिक्र हुई और भाजपा सरकार के कहने पर पहली बार केंद्रीय चुनाव आयोग ने बिहार से मतदाताओं की नागरिकता जांचने की मुहिम शुरु की, जो अब सुप्रीम कोर्ट के सुनवाई दायरे में पहुंच गई है। यदि ये मुहिम भारत सरकार का गृह मंत्रालय उसी तर्ज पर चलाता जैसे कांग्रेस सरकार ने आधार पहचान पत्र के लिए देशव्यापी मुहिम चलाई थी,तब हम सब इसका समर्थन करते,लेकिन दुनिया के तमाम देशों में जन्मजात और अनुवांशिक नागरिकता प्रचलित है इसलिए सभी के पास अलग से कोई नागरिकता प्रमाण पत्र नही होता। नागरिकता प्रमाणपत्र उन्ही प्रदेशियों के लिए जारी किया जाता है जो इसके लिए बाकायदा आवेदन करते हैं। भारत में आमतौर से कोई भी शासकीय सुविधा या अधिकार पाने के लिए आयकर प्रमाण पत्र से ज्यादा महत्व आधार पहचान पत्र को दी जा रही है। ज्यादातर के पास वंशानुगत या जन्म आधारित नागरिकता है लेकिन इसका कोई प्रमाण पत्र भी किसी के पास नहीं है। हालांकि पासपोर्ट के आधार पर पूरी दुनिया देश के नागरिकों को भारतीय मानकर अपने यहां आने- जाने देती है, कारोबार करने देती है। लेकिन पासपोर्ट को अपने देश में नागरिकता का प्रमाण पत्र नहीं माना जाता। यदि विदेशी सरकारें भी भारत सरकार की तरह पासपोर्ट के आधार पर हमें भारतीय मानने से इंकार कर दें तो हम कहीं आ जा भी नही सकेंगे। यद्यपि पासपोर्ट जारी ही तब किया जाता है जब जन्म का, आवास का, संपत्ति का और पुलिस द्वारा चरित्र का सघन सत्यापन करा लिया जाता है, यही प्रक्रिया मतदाता पहचान पत्र जारी करने मे अपनाई जाती है। ऐसे में यदि बिहार या देश के किसी भी राज्य में जारी मतदाता पहचान पत्रों को संदिग्ध माना जा रहा है तो इसके लिए दोषी स्वयं केंद्रीय चुनाव आयोग है। चुनाव आयोग का बीएलओ से लेकर जिला स्तर का अधिकारी इस प्रक्रिया में दोषी है। क्योंकि उन्होंने ही एक लंबी प्रक्रिया के बाद आधार कार्ड आदि दस्तावेज बनवाये है।नागरिकता प्रमाण पत्र मुख्य रूप से उन लोगों को जारी किया जाता है जो जन्म, वंश, पंजीकरण, प्राकृतिकरण या क्षेत्रीय समावेशन के माध्यम से भारतीय नागरिकता प्राप्त करते हैं, नागरिकता अधिनियम, 1955 के मुताबिक, भारत में जन्मे अधिकांश लोग स्वतः नागरिक माने जाते हैं, और उनके लिए नागरिकता का प्रमाण आमतौर पर जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, या अन्य दस्तावेजों जैसे आधार कार्ड, वोटर आईडी आदि के माध्यम से स्थापित किया जाता है। राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर बनाकर मौजूदा सरकार ने असम में एन आर सी प्रक्रिया के तहत नागरिकता सत्यापन करने का अभियान चलाया था जिसमें लगभग 1.9 मिलियन लोग नागरिकता साबित करने में असफल रहे है, लेकिन इनमें से किसी को भी देश निकाला नहीं दिया गया है। यही सब अब बिहार में बिना एन आर सी के करने की कोशिश की जा रही है।जिससे साफ है कि बिहार से भी किसी को नहीं निकाला जाएगा, केवल उनका मताधिकार छीना जाएगा ताकि वे भाजपा को न हरा सकें।वास्तविकता यह है कि भारत की कुल जनसंख्या लगभग 140 करोड़ है, इनमें से अधिकांश लोग जन्म के आधार पर स्वतः भारतीय नागरिक हैं।केवल उन लोगों को नागरिकता प्रमाण पत्र की आवश्यकता पड़ती है जो गैर-नागरिक पृष्ठभूमि से आते हैं या जिन्होंने पंजीकरण/प्राकृतिकरण के माध्यम से नागरिकता प्राप्त की है।ऐसे में आधार कार्ड, पैन कार्ड आदि को दरकिनार कर नागरिक प्रमाण पत्र को आधार बनाकर वोटर तय करना आज के समय मे बेमानी ही कहा जायेगा।

विचार

गांधीजी का दृढ़ विश्वास था कि शिक्षा का ध्यान चरित्र निर्माण पर होना चाहिए। उन्होंने नैतिक रूप से ईमानदार नागरिकों के विकास हेतु सत्य, अहिंसा, विनम्रता और सहानुभूति जैसे मूल्यों को प्रदान करने के महत्व पर बल दिया, जो समाज में सकारात्मक योगदान दे सकें।

● महात्मा गांधी

चाणक्य

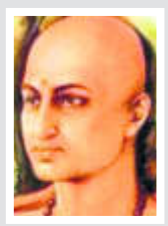

अगर आप में यह आदत है कि आप बिन बुलाए कहीं भी या फिर किसी के भी पास चले जाते हैं तो आपको आज ही अपनी इस आदत को सुधार लेना चाहिए. इस तरह के लोगों को समाज में कभी भी इज्जत नहीं मिलती है. अगर आपको किसी न सम्मानपूर्वक बुलाया है तो ही उसके घर जाएं

● आचार्य चाणक्य

सुकरात

"सच्ची मित्रता में आत्मीयता होती है" अर्थः सच्चे मित्र वही होते हैं जो हमारे अंदर की सच्चाई को पहचानते हैं और समर्थन करते हैं

● सुकरात के अनुसार

Business News

बुलियन मार्केट

सोने में 200 रुपए, चांदी में 1000 रुपए घटे

इंदौर। स्थानीय सराफा बाजार में सोना एवं चांदी की कीमतों में घटबढ़ बनी होने से सोने की कीमतों में 200 रुपए प्रति 10 ग्राम की नरमी देखी गई वहीं चांदी की कीमत में 1000 रुपए प्रति किलो की गिरावट दर्ज की गई। सोने के साथ चांदी ने भी निवेशकों को इस साल अब तक शानदार रिटर्न दिए हैं। मंगलवार को सोने का 98100 रुपए का भाव रहा वही चांदी 111500 का भाव रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत 3361 ऊपर में 3366 नीचे में 3339 चांदी 3828 सेण्ट ऊपर में 3837 नीचे में 3781 नकद में केडबरी 98100 एक दिन पूर्व 98300 आरटीजीएस 100500 सोना 22 कैरेट 91600 जीएसटी सहित चांदी नगद 111500 एक दिन पूर्व 112500 आरटीजीएस में 114000 चांदी टंच 111800 रुपए सिक्का 1230 भारतीय रुपया 85.83 के भाव रहे।

इंदौर सराफा- सोना केडबरी रवा नकद 98100, आरटीजीएस 100500 रुपए, सोना 22 कैरेट (जीएसटी सहित) 91600 रुपए प्रति दस ग्राम, चांदी नकद 111500, आरटीजीएस 114000 और टंच 111800 रुपए प्रति किलो रही। चांदी का सिक्का 1230 रुपए प्रति नग।

उज्जैन सराफा- सोना केडबरी 98200 और रवा 98100 रुपए प्रति दस ग्राम। चांदी पाट 111600, टंच 111500 रुपए प्रति किलो। सिक्का 1200 रुपए प्रति नग बिका।

सावन माह के चलते फलाहारी जिंसों में खेरची ग्राहकी बढ़ी

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में ग्राहकी अच्छी चल रही है। कालीमिर्च का उठाव कम है, लेकिन मानसून सीजन की वजह से भाव मजबूती पर टिके हुए है। जायफल में तेजी की संभावना नहीं है। आवक तथा स्टॉक तुलनात्मक रूप से ऊंचा बना होने से तेजी नजर नहीं आ रही है। सावन माह के चलते फलाहारी जिंसों में खेरची ग्राहकी बढ़ी है। साबूदाना-पापड़, सच्चासाबु फरियाली आटा और अल्पाहार ब्रांड में शुद्ध हल्दी पाउडर, नारियल बूर्रा, मखाना तथा कुकरी जाँकी ब्रांड में विभिन्न प्रकार के पोषक मिलेट्स के छोटी उपभोक्ता पैकिंग में मांग अच्छी चल रही है।

शकर- 4110-4120 बेस्ट क्वालिटी 4130-4140, गुड़ कटोरा 4600-4700, लड्डू 5200, गिलास 5000-5200 रुपए क्विंटल।

नारियल- 120 भरती 2900-2950, 160 भरती 3300-3400, 200 भरती 3650-3700, 250 भरती 3900 रु. प्रति बोरी।

कालीमिर्च की कीमतों में मजबूत

काजू डब्ल्यू 240 नंबर 950-960, डब्ल्यू 320 830-860, डब्ल्यू 300 नंबर 800 से 815, जेएच 840850, टुकड़ी 780-830, बादाम इंडिपेंडेट 730 से 760, अमेरिकन 770-790, मोटादाना 880 से 900 टांच 760 से 780, खसखस चालू 950 से 1200, बेस्ट 1300 से 1500, तरबूज मगज 665 से 690, खारक 85 से 95, मीडियम 115 से 145, बेस्ट 165 से 275, किशमिश कंधारी बेस्ट 550 से 650, इंडियन 465-485 बेस्ट 510-525, चारौली 1850 से 1950, बेस्ट 1950 से 2000, मुनक्का 350 से 550, बेस्ट 850 से 925, अंजीर 975 से 1175 बेस्ट 1275 से 1575, मखाना 1175 से 1375 बेस्ट 1475 से 1675, पिस्ता कंधारी 2100-2200 रुपए।

खोपरा गोला बाक्स- 275-300 कट्टे में 260 रुपए प्रति किलो । खोपरा बूरा 4100-6150 रुपए प्रति (15 किलो)।

पूजन सामग्री- देशी कपूर 700 से 710, पूजा बादाम 115 से 125, बेस्ट 220 से 230, पूजा सुपारी 425 से 450, अरीठा 180 सिंदूर (25 किलो) 7450 रु.। केसर 165 से 175 बेस्ट 190 से 193 रु. प्रति ग्राम।

फलाहारी- साबूदाना सच्चामोती एगमार्क (500) 5350, सच्चासाबु एगमार्क (500 ग्राम) 5500 साबूदाना चक्र एगमार्क 5420, गोपाल लूज (25 किलो) 4790, कुकरीजाकी मोरधन (500 ग्राम)-9400 रुपए।

मसाले- कालीमिर्च 711 से 715, मिनिमटर 770 से 775, मटरदाना 830 से 835 हल्दी निजामाबाद 170 से 210, हल्दी सांगली 260 से 265 जीरा 255 से 275, मीडियम 265 से 275 बेस्ट 285 से 315, सौंफ मोटी 130 से 145, बेस्ट 185 से

कॉर्पोरेट समाचार

बाजार में 4 दिन से जारी गिरावट पर 'ब्रेक', सेंसेक्स 317 अंक चढ़ा

मुंबई। ग्लोबल मार्केटस से पॉजिटिव संकेत लेते हुए भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुए। इसी के साथ बाजार में पिछले चार ट्रेडिंग सेशन से जारी गिरावट का सिलसिला थम गया। घरेलू मोर्चे पर रिटेल महंगाई के जून महीने के आंकड़ों का पॉजिटिव प्रभाव पड़ा। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज लगभग सपाट रहते हुए 82,233.16 अंक पर खुला। खुलते ही इसमें बढ़त देखने को मिली। कारोबार के दौरान यह 82,743 अंक के इंट्रा-डे हाई लेवल तक गया। अंत में यह 317.45 अंक या 0.39 फीसदी की बढ़त लेकर 82,570.91 पर बंद हुआ। इसी तरह, नैशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 25,089 पर लगभग सपाट खुला। कारोबार के दौरान यह 25,245 के इंट्रा-डे हाई तक गया। अंत में 113.50 अंक या 0.45 फीसदी की बढ़त के साथ 25,195 पर बंद हुआ। अन्य इंडेक्स में निफ्टी बैंक, एनर्जी, फाइनैंशियल सर्विसेज, आईटी, मेटल, पीएसयू बैंक, रियल्टी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और तेल एवं गैस इंडेक्स 1 प्रतिशत तक चढ़े।

भारत में पुरानी कारों की बिक्री बढ़ रही 8-10 प्रतिशत वार्षिक दर से

नई दिल्ली। क्रिसिल रेटिंग्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, पुरानी कारों की बिक्री 8-10 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ रही है, जो नई कारों की बिक्री की वृद्धि दर से कहीं अधिक है। यह बदलाव उपभोक्ताओं के व्यवहार में बड़े परिवर्तन को दर्शाता है। भारत में पुरानी कारों का बाजार लगातार तेजी से विस्तार कर रहा है और इस वित्त वर्ष में इसके 60 लाख यूनिट के आंकड़े को पार कर जाने की उम्मीद जताई जा रही है। पुरानी और नई कारों की बिक्री का अनुपात अब 1.4 हो गया है, जबकि पांच साल पहले यह 1 से भी कम था। इसका मतलब है कि अब अधिक खरीदार पुरानी कारों की ओर झुकाव दिखा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पुरानी कारों का बाजार मूल्य लगभग 4 लाख करोड़ रुपये आंका गया है, जो नई कारों के बाजार मूल्य के लगभग बराबर है। विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए पारदर्शिता और बेहतर सेवाओं ने उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ाया है।

दाल-दलहनों की कीमतों में सुधार जारी

इंदौर। कई दिनों में सुस्त पड़े चने में लेवाली पूछपरख बढऩे से भावों में भी सुधार रहा। मिलों ने भी चनादाल के दाम 50 रुपए क्विंटल बढ़ाकर सौदे किए। इसी तरह मूंग में बाजार सुधरे है। साथ ही दो दिन में मूंगदाल के भाव 100 रुपए क्विंटल तेज हुए है। मसूर, तुवर और उड़द में खास हलचल नहीं होने से बाजार स्थिर है।

दलहन- चना काँटा 6150-6200, डंकी चना 5400-5700, विशाल 5900-6000 मसूर 6000-6050, महाराष्ट्र सफेद 6500 महाराष्ट्र लाल 6500-6650, कर्नाटक 6500-6750 तुवर निमारी 6000-6450 मूंग बेस्ट नया 7500-7700, एवरेज 6700-7000, मोगर 6200-6900 उड़द नया गर्मी 6500-7200,उड़द बोल्ड 7400-7600 एवरेज 6200-6500, हल्का उरद 3000-5000 रुपए के भाव रहे।

खरीफ फसलों की बोआई ने समाप्त हुए सप्ताह के दौरान अपनी तेज गति बनाए रखी

नई दिल्ली। खरीफ फसलों की बोआई ने 11 जुलाई को समाप्त हुए सप्ताह के दौरान अपनी तेज गति बनाए रखी जबकि खरीफ में सोयाबीन और कपास की फसल की बोआई में बीते वर्ष की समान अवधि की तुलना में गिरावट आई। कारोबारियों के अनुसार किसानों को फसल का वाजिब मूल्य नहीं मिलने के कारण सोयाबीन का रकबा घट सकता है।

इसका कारण यह है कि किसानों को खाद्य तेलों के अनियमित आयात के कारण वाजिब मूल्य मिलने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। इंदौर स्थित सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसओपीए) को बाजार में लगातार दो वर्षों से कम कीमतें रहने के कारण वर्ष 2025 की खरीफ फसल के रकबे में पांच प्रतिशत की गिरावट की आशंका है। एसओपीए को लगता है कि किसान सोयाबीन से मक्का, कपास और लाल चने की ओर रुख करने के लिए प्रेरित हो सकते हैं।

व्यापारियों को कपास के मामले में भी इस साल रकबे में गिरावट की उम्मीद है। इसका कारण यह है कि उत्तरी और पश्चिमी भारत में गुलाबी बॉलवर्म और अन्य कीट बार-बार हमला कर रहे हैं। हालांकि कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि मध्य और पश्चिम भारत में मॉनसून के तेजी से बढ़ने के साथ मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में कपास और सोयाबीन की बोआई बढ़ सकती है। इस बीच भारत के मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मॉनसून अखिल भारतीय स्तर पर 1 जून से 13 जुलाई तक सामान्य 275.7 मिलीमीटर के मुकाबले 302.6 मिलीमीटर हुई जो कुल औसत से 10 प्रतिशत अधिक है। कुल मिलाकर सभी खरीफ फसलों का रकबा 11 जुलाई तक पिछले साल की तुलना में लगभग 7 प्रतिशत अधिक है।

भारत की अर्थव्यवस्था बड़ी लेकिन नवाचार में पीछे : रघुराम राजन

नई दिल्ली। भारत भले ही जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा हो, लेकिन पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन ने एक अंग्रेजी अखबार में अपने कॉलम के माध्यम से देश की नवाचार क्षमता पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि भारत के पास वैश्विक स्तर पर पहचाने जाने वाले किसी भी उत्पाद या कंपनी का अभाव है। राजन ने उदाहरण देते हुए कहा कि जापान की निन्टेंडो, सोनी और टोयोटा जैसी कंपनियां या जर्मनी की मर्सिडीज, पोर्श और एसएपी जैसी फर्में विश्वभर में जानी जाती हैं, लेकिन भारत की कोई भी कंपनी ऐसा वैश्विक प्रभाव नहीं बना पाई है। इसके बावजूद कि भारत में बड़ी घरेलू मांग है और सरकारी संरक्षण भी मौजूद है, भारतीय कंपनियां वैश्विक बाजार में अपनी पकड़ बनाने में असफल रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि भारतीय ऑटो उद्योग विदेशी बाजारों में सीमित और विशिष्ट क्षेत्रों तक ही सिमटा हुआ है।

मध्यप्रदेश में आने वाले उद्यमियों को प्रोत्साहनकारी नीतियों के अतिरिक्त भी देंगे विशेष सुविधाएं

एमपी में हर क्षेत्र में निवेशकों का स्वागत : सीएम यादव

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पीएम नरेन्द्र मोदी का गरीब से गरीब आदमी को सम्पन्न बनाने का संकल्प है। बदलते दौर का भारत प्रधानमंत्री मोदी के गत 11 वर्ष के कार्यकाल में लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों का प्रमाण है। मध्यप्रदेश सरकार प्रधानमंत्री जी के संकल्प की पूर्ति के लिए उद्योग और अर्थ-व्यवस्था के क्षेत्र में भारत के निरंतर सशक्त होने में पूरी तरह सहभागी है। उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए प्रोत्साहनकारी नीतियों का लाभ देने के साथ ही नीतियों से हटकर भी अतिरिक्त सुविधाएं देने का कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को दुबई में इन्वेस्ट इन मध्यप्रदेश बिजनेस- फोरम के विशेष सत्र को संबोधित कर रहे थे।

संकल्प

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुबई के उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में पर्यटन, टेक्सटाइल और एमएसएमई सहित अन्य सेक्टर्स में निवेश के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्यमशीलता यह है कि उद्यमी न करे धनसंग्रहित बल्कि उस धन को उद्यम में लगाकर अपने व्यवसाय को और बढ़ाएं। इससे व्यापार कई गुना बढ़ जाता है। व्यापार की यह समझ दुबई के उन उद्योगपतियों में है जो भारतीय हैं और इस देश के विकास में विशेष सहयोगी हैं। टेक्समास टेक्सटाइल क्षेत्र देखकर सुखद अनुभव हुआ है, यहां योजना पक्ष की श्रेष्ठता देखने को मिली है। यह मॉडल मध्यप्रदेश में भी लागू करने का प्रयास रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सभी सेक्टर के निवेशकों का स्वागत कर रहा है। हम इसी उद्देश्य से दुबई आए हैं। केंद्र और राज्य सरकार गरीब से गरीब की जिंदगी बेहतर करने के लिए कार्य कर रही है। प्रदेश के किसानों को उनकी फसलों का उचित दाम दिला पाएं, इसके लिए सरकार सभी दायित्वों का निर्वहन कर रही है। उद्योगपतियों के आगे बढ़ने के पीछे भारतीय संस्कृति और खान-पान की बड़ी भूमिका है। मध्यप्रदेश के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं। राज्य सरकार दीर्घकालिक प्रगति के उद्देश्य से कार्य कर रही है।

गरीबों को सम्पन्न बनाने के लिए चाहिए व्यापार की समझ

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 से लेकर वर्ष 2025 तक दुबई के साथ द्वि-पक्षीय संबंध विकसित किए हैं। गरीबों को सम्पन्न बनाने के लिए व्यापार की समझ होना चाहिए। इस दिशा में प्रधानमंत्री श्री मोदी निरंतर महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं। उन्होंने 90 प्रतिशत कस्टम ड्यूटी फ्री करने का कार्य किया। दुबई से उन्होंने दुनिया के द्वार खोले जो एक उदाहरण है। आज अन्य देश भी दुबई मॉडल के साक्षी बन रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि फूड चैन सप्लाई से लेकर अन्य क्षेत्रों में मध्यप्रदेश के दुबई से मजबूत संबंध रहेंगे। भारत की अर्थव्यवस्था पिछले दस वर्ष में बदल गई है।

हमारे देश के दुबई के साथ प्रगाढ़ संबंध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश के जो लाभ हैं उनके बारे में मध्यप्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने विस्तारपूर्वक जानकारी दी है। भारत के साथ दुबई के परस्पर प्रगाढ़ व्यापारिक संबंध हैं। दुबई का इतिहास देखें तो 19वीं सदी में यह मत्स्य पालन और मत्स्य आखेट का प्रमुख केंद्र रहा है। वर्ष 1950 से 1970 के मध्य तेल की उपलब्धता ने इस क्षेत्र को बदल दिया। आज दुबई गगनचुम्बी अट्टालिकाओं के कारण जाना जाता है। यूएई की वर्तमान दशा में विश्व बंधुत्व का भाव भी शामिल है। वस्तुत: यह भारतीय दर्शन है। अरब के इस क्षेत्र ने हमारी भावना को अंगीकार किया है। यहां बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं जो कहीं भी जाकर समरस हो जाते हैं। अधिकांश बड़े आईआईटी या आईआईएम से शिक्षित नहीं हैं लेकिन उनकी जिंदगी के अनुभव इन डिग्रियों से महत्वपूर्ण हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज दुबई में भारत के मसालों की महक और व्यंजन का लाभ लेने का भी अवसर मिला इसकी कोई तुलना नहीं है। अब मेट्रो और बुलेट ट्रेन दुबई की पहचान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धन दौलत के साथ मन का प्रेम भी महत्वपूर्ण है। यहां बसे भारतीयों से ऐसा ही स्नेह मिला। दुबई पर ईश्वर का विशेष आशीर्वाद भी देखने को मिलता है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बदलते दौर में डिजिटल युग से दुनिया छोटी हो गई है। बिना हिले -डुले करोड़ों का व्यवसाय किया जा सकता है। यही परिवर्तन युद्ध क्षेत्र में भी देखने को मिला है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपरेशन सिंदूर के माध्यम से यह संकल्प दुनिया को दिखा दिया कि हम शत्रु के घर जाकर उसे मार सकते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जीयो और जीने का संदेश भी दिया है। भारत का विरोध किसी देश से न होकर आतंकवादियों से है।

शॉट न्यूज

ससुराल में सड़क नहीं, मायके में भरा पानी

सीधी। मध्य प्रदेश के रीवा संभाग के आसपास कई ग्रामीण क्षेत्र ऐसे हैं, जहां सड़कें नहीं हैं। बारिश के दिनों में स्थिति और खराब हो जाती है। सीधी जिले की एक गर्भवती महिला लीला साहू इन दिनों सड़क की मांग को लेकर आंदोलन छेड़ रखा है। इस बीच रीवा जिले के सिरमौर विधानसभा क्षेत्र से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने सिस्टम की व्यवस्थाओं की पोल खोलकर रख दी। यहां की एक गर्भवती महिला ससुराल में सड़क न होने के चलते प्रग्नेंसी के लास्ट दिनों में अपने मायके आई, लेकिन यहां पर नदी बढ़ने के कारण जलभराव की स्थिति बन गई और समय पर अस्पताल न पहुंचने पर गर्भवती महिला की मौत हो गई। सोशल मीडिया में वायरल हो रहे एक वीडियो ने सिस्टम के बड़े-बड़े दावों की पोल खो दी और यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि विकास के बड़े-बड़े दावे तो होते हैं।

हाई-प्रोफाइल ब्लैकमेलिंग कांड में 6 आरोपी जेल में बंद

भोपाल। भोपाल में कॉलेज छात्राओं के साथ दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग के हाई-प्रोफाइल मामले में पुलिस ने एक अहम कदम उठाया है। जहांगीराबाद थाना पुलिस ने इस गंभीर प्रकरण में छह आरोपितों के खिलाफ जिला न्यायालय में आरोप-पत्र (चालान) पेश कर दिया है। यह केस राजधानी भोपाल के तीन अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दर्ज किया गया था और अब यह पूरे मामले की निर्णायक कड़ी बनता जा रहा है। जहांगीराबाद पुलिस द्वारा जिन आरोपितों के खिलाफ चालान पेश किया गया है, उनके नाम हैं- फरहान खान, साहिल खान, सैयद अली अहमद, साद उर्फ शम्सउद्दीन, मोहम्मद नबील, अबरार। सभी आरोपित वर्तमान में न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं। पुलिस ने चालान के साथ मजबूत साक्ष्य भी कोर्ट में पेश किए हैं जिनमें पीड़िताओं के बयान, स्वजन की गवाही, काल डिटेल रिकॉर्ड (CDR), वीडियो फुटेज, फोटोग्राफ्स, एवं अन्य डिजिटल सबूत शामिल हैं।

पत्नी के कहने पर लुटेरा बना... पुलिस से बचने के लिए गिरवी रखते थे सोना

भोपाल। कोहेफिजा पुलिस ने शातिर लुटेरे गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह का मास्टरमाइंड बदमाश अपनी पत्नी के कहने पर लूट करता था और लूटे गए माल कैसे ठिकाने लगाना है, वह भी पत्नी ही तय करती थी? गिरोह में महिला, नाबालिग समेत चार आरोपित शामिल है। आरोपितों से लूटा गया माल और लूट के खरीदी पुरानी भी बरामद कर ली है। पुलिस ने बताया कि लूट के माल को महिला गोल्ड फाइनेंस कंपनी में गिरवी रखकर रुपये ले लेती थी। इससे पुलिस के पकड़ने का डर भी रहता था। कोहेफिजा पुलिस के अनुसार नयापुरा लालघाटी निवासी राम बंसल की पत्नी दो जुलाई की रात घर के बाहर वाली रोड पर टहल रही थी। इसी बीच बाइक सवार अज्ञात बदमाश राम बंसल की पत्नी के गले से 80 हजार कीमत की सोने की चेन झपटकर फरार हो गए।

गंदगी देख भड़के मंत्री बन गए सफाईकर्मी फावड़ा लेकर नाली साफ करने उतरे स्वयं

संवाददाता ● ग्वालियर

पहले भी कर चुके हैं सफाई

गौरतलब है कि प्रद्युम्न सिंह तोमर पहले भी कई बार खुद सफाई अभियान में हिस्सा लेकर प्रशासनिक अमले को स्वच्छता के प्रति संवेदनशील बना चुके हैं। उनके इस जमीनी जुड़ाव को लेकर क्षेत्र में सकारात्मक संदेश जा रहा है।

की जमीनी समस्याओं से जुड़ने और जनता कीसमस्याओं का समाधानमौके पर ही करने की अपनी सक्रिय कार्यशैली को एक बार फिर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने दिखाया। मंत्री तोमर वार्ड 16 के रेशम मील इलाके में पहुंचे, जहां उन्होंने क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर नाली की सफाई की। नाली की स्थिति देख मंत्री ने खुद फावड़ा उठाकर गंदगी हटाने में हिस्सा लिया। उनका यह धरातल से जुड़ा प्रयास स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। रेशम मील क्षेत्र की नालियों में लंबे समय से गंदगी और जलभराव की समस्या बनी हुई थी। जैसे ही मंत्री तोमर को इस संबंध में जानकारी मिली, वे बिना किसी पूर्व सूचना के मौके पर पहुंचे और सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। सफाई में लापरवाही मिलने पर उन्होंने नगर निगम के जिम्मेदारअधिकारियों को फटकारलगाते हुए व्यवस्था सुधारने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 'जनता को मूलभूत सुविधाएं देना हमारी प्राथमिकता है। स्वच्छता में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।' इसके बाद ऊर्जा मंत्री ने रेशम मील सहित वार्ड के अन्य हिस्सों में भी जनसम्पर्क कर क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं। लोगों ने जल आपूर्ति, सीवर लाइन, स्ट्रीट लाइट, सड़क मरम्मत सहित विभिन्न मुद्दों पर ध्यान आकर्षित कराया। मंत्री तोमर ने मौके पर मौजूद संबंधित विभागों के अधिकारियों को तुरंत समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कुछ मामलों में तीन दिन और सात दिन की समयसीमा भी तय की।

संघ प्रमुख के 75 वर्ष वाले बयान पर कुसमारिया का सवाल

क्या बाप-महतारी को कचरे में डाल दोगे?

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री रामकृष्ण कुसमारिया ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के 75 वर्ष पूर्ण होने पर रिटायर होने वाले बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने परोक्ष रूप से वरिष्ठ नेताओं को संगठन में दरकिनार करने की चर्चाओं पर नाराजगी जताई और समाज में बुजुर्गों के सम्मान और भूमिका को लेकर तल्ख टिप्पणी की। कुसमारिया ने मीडिया के सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि हमें कोई काम देगा तो करेंगे, नहीं देगा तो भी करेंगे। हम कोई कमजोर आदमी नहीं हैं। उन्होंने बुंदेलखंड की कहावत का हवाला देते हुए कहा कि अगर बुजुर्गों को साथ ले जाओ तो काम अच्छे से होता है। उन्होंने समाज और संगठन के लोगों से सवाल किया कि पार्टी में लोगों को सलाह लेनी चाहिए। क्या बाप-महतारी को कचरे में डाल दोगे? वृद्ध आश्रमों में भेज रहे हैं, सेवा करने से कतरा रहे हैं। हम भी बुजुर्ग हैं, क्या हमें भी फेंक दोगे? रामकृष्ण कुसमारिया ने साफ किया कि वे जनसेवा से हटने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें कोई जिम्मेदारी नहीं भी दी गई तो भी वे सेवा में जुटे रहेंगे। वह कुछ मांग नहीं रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख डॉ। मोहन भागवत की हालिया टिप्पणी के बाद भाजपा में वरिष्ठ नेताओं की भूमिका को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है। भागवत ने एक कार्यक्रम में कहा कि 75 साल की शॉल पहनाए जाने का अर्थ है कि "अब आप की उम्र हो गई, थोड़ा बाजू हो जाइये, अब हमें करने दीजिए। इस बयान के राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में विधायक नागेंद्र सिंह- गुढ़, विधायक नाग्रेंद सिंह-नागोद, विधायक जयंत मलैया-दमोह, विधायक डॉ।

भोपाल में देशभर के रेशम बुनकरों की कला का अनोखा संगम 50,000 से अधिक वैराइटी उपलब्ध

सिल्क इंडिया में फेस्टिव और वेडिंग सीज़न के लिए हैंडलूम साड़ियों का भव्य संग्रह

संवाददाता ● भोपाल

अगर आप आगामी फेस्टिव सीज़न जैसे रक्षाबंधन और तीज के साथ-साथ आने वाले विवाह समारोहों के लिए पारंपरिक और खूबसूरत साड़ियों की खरीदारी की योजना बना रहे हैं, तो सिल्क इंडिया प्रदर्शनी आपके लिए एक शानदार और अनुपम अवसर है। हैंडलूम द्वारा निर्मित सिल्क साड़ियों की एक विशाल श्रृंखला को प्रदर्शित कर रही यह एग्जीबिशन, महाराणा प्रताप भवन, अक्षय हॉस्पिटल के पास, चार इमली, भोपाल में मंगलवार 15 जुलाई से शुरू हो गई है। आठ दिवसीय यह भव्य आयोजन 22 जुलाई, 2025 तक चलेगा, जहाँ देश के प्रसिद्ध बुनकर अपनी सदियों पुरानी हैंडलूम की विरासत को आधुनिक डिज़ाइनों के साथ प्रस्तुत कर रहे हैं। अपनी बेमिसाल खूबसूरती के साथ, ये सिल्क साड़ियाँ विवाह समारोहों और पारिवारिक उत्सवों पर पहनने के लिए उपयुक्त हैं।

प्रदर्शनी में साड़ी लवर्स के लिए साड़ियों की लगभग 50 हजार से अधिक वैरायटी प्रदर्शित की जा रही हैं, जो विविधता और कलात्मकता का एक अद्भुत संगम है। यहाँ सबसे खास बात यह है कि आप सीधे विभिन्न राज्यों के बुनकरों से हैंडलूम सिल्क साड़ियाँ खरीद सकते हैं, जिससे आपको विश्वसनीय उत्पाद और बुनकरों को सीधा लाभ मिलता है। 15 जुलाई से 22 जुलाई तक प्रतिदिन सुबह 11:00 बजे से रात 9:00 बजे तक आयोजित की जा रही सिल्क इंडिया एग्जीबिशन में देश के विविध स्थानों की लोकप्रिय और मनमोहक साड़ियाँ एवं ड्रेस मटेरियल पेश किए गए हैं। इन साड़ियों में तरह-तरह के डिज़ाइन्स, पैटर्न्स और कलर कॉम्बिनेशन का एक व्यापक खजाना उपलब्ध है, जो हर खास अवसरों और समारोहों के अनुरूप है। उड़ीसा आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स की ओर से आयोजित इस विशेष प्रदर्शनी में देश के विविध प्रांतों की राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय वैरायटी का एक चुनिंदा संग्रह प्रदर्शित किया गया है। यहाँ प्रस्तुत हर साड़ी और ड्रेस मटेरियल अपने आप में अद्वितीय और मनमोहक है, जो भारतीय हस्तकला की बारीकियों और भव्यता को दर्शाता है। इस विशिष्ट संग्रह में उत्तर प्रदेश से बनारसी सिल्क साड़ियाँ, तमिलनाडु से कोयम्बटूर सिल्क और कांजीवरम सिल्क, कर्नाटक से बेंगलुरु सिल्क, क्रेप और जॉर्जेट साड़ियाँ शामिल हैं। वहीं, कोलकाता की प्रसिद्ध बालुचरी, आंध्र प्रदेश से कलमकारी, पोचमपल्ली, मंगलगिरी ड्रेस मटेरियल, उपाडा, गढ़वाल और धर्मावरम प्योर सिल्क साड़ियाँ भी उपलब्ध हैं। बिहार से टसर और भागलपुरी सिल्क ड्रेस मटेरियल, पश्चिम बंगाल से कांथा वर्क साड़ियाँ, शांति निकेतन कांथा साड़ी, नीमजरी साड़ी, प्रिंटेड साड़ी, और ढाकई जामदानी भी यहाँ विशेष रूप से प्रदर्शित की गई हैं। राजस्थान की ब्लॉक हैंडप्रिंट, जयपुरी कुर्ती, ब्लॉक प्रिंट, सांगानेरी प्रिंट और कोटा डोरिया खादी सिल्क के साथ-साथ ओड़िशा की संबलपुरी कॉटन साड़ियाँ व कॉटन ड्रेस मटेरियल भी इस प्रदर्शनी का हिस्सा हैं।

भू-माफियाओं की तोड़ दी कमर, वन भूमि को लेकर तगड़ा एक्शन

ज्योतिरादित्य सिंधिया के निर्देश पर गरजा बुलडोजर

संवाददाता ● शिवपुरी

जिले में भूमाफियाओं के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया गया है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के निर्देश पर वन विभाग ने 275 बीघा वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया है। यह कार्रवाई सतनवाड़ा वन परिक्षेत्र में की गई। सिंधिया ने अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे के दौरान वन भूमि पर अतिक्रमण की शिकायतें मिलने के बाद यह निर्देश दिया था। वन विभाग ने 9 जेसीबी मशीनों की मदद से अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया। खाली कराई गई जमीन पर अब पौधारोपण किया जाएगा। दरअसल, ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मीडिया से बात करते हुए साफ कहा था कि ऐसे भूमाफियओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिन्होंने सरकारी और वन विभाग की जमीन को घेर रखा है। सिंधिया के इस कड़े रुख के बाद वन विभाग हरकत में आया और उसने तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी।

वन विभाग ने सतनवाड़ा वन परिक्षेत्र में 275 बीघा जमीन लंबे समय से भूमाफियाओं के कब्जे में थी। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने इस मुद्दे को कई बार अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठकों में उठाया था। जिसके बाद यह कार्रवाई संभव हो पाई। कार्रवाई के दौरान बीटोनी गांव के बीट ठाठी (आरएफ 481, 482 और पीएफ 913) में बल्लू सिकरवार, पंजाब सिंह गुर्जर, प्राण सिंह गुर्जर और शिशुपाल सिंह चौहान द्वारा की गई अवैध घेराबंदी को ध्वस्त किया गया। वन विभाग ने 9 जेसीबी मशीनों की मदद से इन अवैध निर्माणों को तोड़ा। इस कार्रवाई में 140, 80 और 55 बीघा भूमि को वापस वन विभाग के कब्जे में लिया गया।

खाली जमीन पर होगा पौधारोपण

यह कार्रवाई केंद्रीय मंत्री और गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया के संज्ञान में आने के बाद वनमंडलाधिकारी सुधांशु यादव एवं उप वनमंडलाधिकारी ए. प्रभंजन रेड्डी के निर्देशन में की गई। रेंजर माधव सिंह सिकरवार के नेतृत्व में राजस्व विभाग, पुलिस और ग्राम वन समिति ने भी इस कार्रवाई में सहयोग दिया। वन विभाग अब खाली कराई गई जमीन पर पौधारोपण करेगा। खैर, बबूल और प्रोसोपिस जैसी प्रजातियों के बीज बोकर हरियाली को फिर से बहाल करने का काम शुरू कर दिया गया है।

भोजेश्वर महादेव मंदिर अद्भुत स्थापत्य कला के लिए दुनियाभर में है फेमस, लेकिन आज भी अधूरा

भारत के 'दिल' में मौजूद है विश्व का सबसे बड़ाशिवलिंग

संवाददाता ● इंदौर

आस्था

सावन का महीना शिवभक्तों के लिए बेहद खास होता है, क्योंकि सावन माह में महादेवपृथ्वी पर आते हैं। इस दौरान भगवान शिव अपने भक्तों पर कृपा भी बरसाते हैं। ऐसे में भक्त भी भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए उपवास करते हैं और कावड़ यात्रा निकाले हैं। वहीं सावन के महीने में शिवालयों में भी हर हर महादेव की गूंज होती है। ऐसे में आज हम आपको विश्व का सबसे बड़ा शिवलिंग कहां मौजूद है ये बताएंगे। हालांकि ये मंदिर आज भी अधूरा है।

यहां मौजूद है विश्व का सबसे बड़ाशिवलिंग- विश्व का सबसे बड़ा शिवलिंग भारत के दिल मध्य प्रदेश में मौजूद है। ये शिवलिंग मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से करीब 30 किलोमीटर भोजपुर में स्थित है, जिसे भोजेश्वर महादेव मंदिर के नाम से जाना जाता है। भगवान शिव को समर्पित ये मंदिर करीब एक हजार साल पुराना है। भोजेश्वर महादेव मंदिरबेतवा नदी के किनारे स्थित है। इसका निर्माणमालवा क्षेत्र के शासक और परमार वंश के राजाभोज ने 11वीं शताब्दी के दौरानभोजपुर में कराया था। हालांकि इस मंदिर का निर्माण आज भी अधूरा है और लोग इसे अधूरे शिव मंदिर के नाम से जानते हैं। यह एक जीवंत मंदिर है जहां भक्त साल भर प्रार्थनाएं कर और अपनी मनोकामना लेकर यहां पहुंचते हैं। बता दें कि इस मंदिर में स्थित शिवलिंग की विशालता के कारण यहां के पुजारी को स्वयं सीढ़ी लगाकर ऊपर जाना होता है और फिर शिवलिंग का अभिषेक करते हैं। यह मंदिर चार बड़े स्तंभों पर टिका हुआ है। वहीं शिवलिंग 7।5 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। 11वीं सदी की मंदिर वास्तुकला का एक अद्वितीय उदाहरण है। शिवलिंग चिकने लाल बलुआ पत्थर से बनाया गया है। वहीं गर्भ गृह के विशाल तीर्थ स्थान पर भगवानों के जोड़े शिव-पार्वती, सीता-राम, लक्ष्मी-विष्णु भगवान, ब्रह्मा, सरस्वती की मूर्तियां स्थापित हैं। सामने की दीवार के अलावा बाकी तीन दीवारों पर कोई प्रतिमा स्थापित नहीं है। मंदिर की बाहरी दीवार पर यशो की मूर्ति भी देखने मिलती है।

भोजेश्वर महादेव मंदिर क्यों है अधूरा?

मान्यताओं के अनुसार, इस मंदिर को एक ही रात में बनाना था, लेकिन निर्माण कार्य पूरा होने के पहले सूर्योदय हो गया। जिसके कारण इस मंदिर का निर्माण पूरा नहीं हो पाया और ये आज भी अधूरा है।

कौन है 23 साल की ये हसीना ?

अजय देवगन की फिल्म से कर रही बॉलीवुड डेब्यू, चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर मिली पहचान

चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर एक्टिंग में कदम रखने के बाद रोशनी वालिया अब बड़े पर्दे पर छाने को तैयार हैं। 23 साल की रोशनी एक्टर अजय देवगन की मच-अवेटेड फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में दिखेंगी। इस फिल्म से वो बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में जन्मीं रोशनी वालिया सिर्फ 23 साल की हैं। इतनी कम उम्र में ही उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी बड़ी पहचान बनाई है। रोशनी छोटी उम्र से ही एक्टिंग में एक्टिव हैं। 7 साल की उम्र में उन्होंने अपना पहला एडवरटाइजमेंट किया था। यहीं से उनके एक्टिंग करियर की शुरुआत हुई। इसके बाद साल 2012 में रोशनी ने सीरियल 'मैं लक्ष्मी तेरे आंगन की' से अपना टीवी डेब्यू किया था। इसके बाद इसी साल वो 'माई फ्रेंड गणेशा 4' फिल्म में भी नजर आईं। रोशनी ने चाइल्ड एक्ट्रेस के तौर पर 'बालिका वधूः कच्ची उम्र के पक्के रिश्ते', 'देवों के देव।।महादेव', 'भारत के वीर पुत्र-महाराणा प्रताप', 'ये वादा रहा' समेत कई शोज में काम किया। एक्टिंग के साथ रोशनी सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग हैं। एक्ट्रेस के ग्लैमरस लुक्स सोशल मीडिया पर वायरल रहते हैं। यूथ के बीच रोशनी काफी पॉपुलर हैं। मगर अब अजय देवगन की फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' से उनके एक्टिंग करियर को ऊंची उड़ान मिल सकती है। अपनी पहली बड़े बैनर की फिल्म को लेकर रोशनी सुपर एक्साइटेड हैं। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में वो इमोशनल भी होती नजर आई थीं। रोशनी ने कहा था कि ये उनकी पहली फिल्म है। इतने बड़े स्टार्स के साथ काम करना उनके लिए बहुत मायने रखता है।

'वो लूजर है' राधिका यादव मर्डर केस पर ऋचा चड्ढा का फूटा गुस्सा

टेनिस प्लेयर के पिता पर भड़कीं एक्ट्रेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा अपने बेबाक बयानों के लिए जानी जाती हैं, ऋचा उन एक्टर्स में से हैं जो बिना झिझक किसी भी मुद्दे पर अपनी बेबाक राय रखती हैं. अब उन्होंने टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की हत्या को लेकर कुछ ऐसा कह दिया जो सोशल मीडिया पर नेटिजन्स के लिए चर्चा का विषय बन गया है। 10 जुलाई को गुरुग्राम स्थित जूनियर प्लेयर राधिका यादव की उनके घर पर उनके ही पिता दीपक यादव ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। अब इस मामले पर बॉलीवुड एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने अपनी राय व्यक्त करते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ऋचा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस बारे में अपनी बेबाक राय रखी। उन्होंने राधिका की दोस्त हीमांशीखा सिंह राजपूत द्वारा शेयर किए गए वीडियो पर रिएक्शन देते हुए इस हत्या को सही ठहराने वालों की कड़ी निंदा की है। ऋचा ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा- अपने ही बच्चे को मारने में कोई इज्जत नहीं होती, अब पूरी दुनिया दीपक यादव को हमेशा के लिए एक हारे हुए इंसान के तौर पर याद रखेगी। दीपक यादव, तुमने इतिहास के पन्नों में एक हारे हुए और कायर के तौर पर अपनी जगह पक्की कर ली है। अभिनेत्री का यह बयान सोशल मीडिया पर चल रहे ट्रेंड के बीच आया है, जहां कुछ यूजर्स ने दीपक को हीरो करार दिया था. जब खबरें आईं कि राधिका एक मुस्लिम लड़के को डेट कर रही थीं। हालांकि पुलिस अभी भी जांच कर रही है, लेकिन शुरुआती बयानों से पता चलता है कि राधिका एक टेनिस एकेडमी चलाती थीं इसके कारण ही उनके पिता के साथ विवाद थे. वे इससे घर की आर्थिक जरुरते पूरी करती थीं और इसी से उनके पिता नाराज थे। नेशनल लेवल की टेनिस प्लेयर राधिका यादव की उनके पिता के द्वारा हत्या का मामला सामने आने पर हर कोई हैरान रह गया। कुछ लोगों ने राधिका के पिता की निंदा की तो कई उनके सपोर्ट में नजर आए। वहीं अब बॉलीवुड एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने दीपक यादव और उनकी तरफ बोलने वाले लोगों की कड़ी निंदा करते हुए उन्हें लूजर करार दिया है। कथित तौर पर 25 साल की राधिका की उनके पिता के साथ तीखी बहस हो गई थी जिसके चलते दीपक यादव ने अपनी ही बेटी की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

'उदयपुर फाइल्स' की रिलीज को मिलेगी हरी झंडी!

हिंदी सिनेमा की फिल्मों का कानून पचड़े में फंसने का मामला नया नहीं है। अक्सर देखा गया है कि कई फिल्में रिलीज और विवादित कंटेंट को लेकर कोर्ट कचहरी के चक्कर में पड़ जाती हैं। मौजूदा समय में अभिनेता विजय राज की आने वाली फिल्म उदयपुर फाइल्स भी अपनी रिलीज को लेकर विवादों में बनी हुई है। हाल ही में दिल्ली हाई कोर्ट के आदेशनुसार इस मूवी की रिलीज पर रोक लगा दी गई थी। अब उदयपुर फाइल्स के मेकर्स ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और मामले पर दोबारा से सुनवाई की मांग की है। फिल्म उदयपुर फाइल्स के निर्माता गौरव भाटिया ने दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। उनका मानना है कि उनकी फिल्म कोई ऐसे मुद्दे पर नहीं बनी है, जिसके बारे में किसी को जानकारी न हो। हमारी फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित है, जिसमें कन्हैया लाल जैसे मासूम दर्जी की हत्या का मामला दिखाया है।

मेरी बहन का सिंदूर उजाड़...

दिलजीत दोसांझ की सरदार जी 3 में हानिया आमिर की कास्टिंग पर बोले अनुपम खेर

कई दशकों से अपने अभिनय से दर्शकों के दिल में जगह बना चुके अनुपम खेर अब लंबे समय के बाद पुराने रूप में लौट रहे हैं। ओम जय जगदीश और आई वेंट शॉपिंग फॉर रॉबर्ट डे नीरो के बाद अब वह एक और फिल्म की डायरेक्शन की कमान संभाल रहे हैं। उनकी फिल्म 'तन्वी द ग्रेट इस हफ्ते ही थिएटर में दस्तक देगी। अपनी फिल्मों के साथ-साथ अनुपम खेर किसी भी मुद्दे पर अपनी राय खुलकर रखते हैं, फिर चाहे मुद्दा देश को लेकर हो या फिर बॉलीवुड। पिछले काफी समय से दिलजीत दोसांझ की पंजाबी फिल्म 'सरदार जी-3' में हानिया आमिर को कास्ट करने को लेकर चल रहे विवाद पर अनुपम खेर ने अपनी राय रखी है। 'तन्वी द ग्रेट' के प्रमोशन के दौरान अनुपम खेर के 'सरदारजी' में पाकिस्तानी एक्ट्रेस के होने पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, दिलजीत दोसांझ अपने फ्रीडम और एक्सप्रेशन का पूरा उपयोग कर सकते हैं, लेकिन कलाकार के नाम पर उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए, खासकर तब जब बात पाकिस्तान की हो। अभिनेता ने कहा, ये उनका मौलिक अधिकार है और उन्हें इसका उपयोग करने की पूरी आजादी है। मेरा प्वाइंट ऑफ व्यू ये है कि अगर मैं उनकी जगह होता, तो ये नहीं करता'। मैं उदाहरण के तौर बताना चाहता हूं कि मान लो कोई मेरे पिता को थप्पड़ मारता है, लेकिन वह बहुत अच्छा गाता है, बहुत अच्छा तबला बजाता है, इसलिए वह घर पर आकर परफॉर्म करे, ये मैं अलाउड नहीं करूंगा। मैं इतना ग्रेट आदमी नहीं हूं। मैं उसे थप्पड़ नहीं मारूंगा, लेकिन मैं उसे कोई राइट्स भी नहीं दूंगा। जो नियम मेरे घर पर हैं, वही मेरे देश के लिए भी हैं। मैं इतना महान नहीं हूं कि कोई मेरे परिवार को मार रहा है और मेरी बहन का सिंदूर उजाड़ रहा है, वह मैं देख सकूं, जो ये कर सकते हैं, वह आजाद हैं'। 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत जब इंडिया और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति पैदा हुई थी, तो कई बड़े फैसले सरकार ने लिए थे। पाकिस्तानी आर्टिस्ट इंडिया में पहले से ही बैन थे, लेकिन उनके सोशल मीडिया अकाउंट भी इंडिया में डिसेबल कर दिए गए थे।

हाउसफुल 5 ने ली बॉक्स ऑफिस से विदाई

अक्षय कुमार की फिल्म 'हाउसफुल 5' 6 जून को थिएटर में रिलीज हुई थी। साजिद नाडियाडवाला की कॉमेडी फ्रेंचाइजी के पांचवें पार्ट में डबल धमाल और डबल क्लाइमैक्स था। इस फिल्म ने घरेलू और वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर एक लंबी पारी खाली है। हालांकि, अब फिल्म का खाता बंद हो गया है। 39 दिनों तक बॉक्स ऑफिस की गद्दी पर बैठी 17 स्टारों से सजी इस फिल्म ने आगामी फिल्मों के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। चलिए देखते हैं कि कितने करोड़ पर अक्षय कुमार-जैकलीन फर्नांडीज स्टारर 'हाउसफुल 5' का खाता क्लोज हुआ है और इंडिया और दुनियाभर में बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने क्या धमा चौकड़ी मचाई है। हाउसफुल 5 का फुल एंड फाइनल कलेक्शन इंडियन बॉक्स ऑफिस पर नेट कितना हुआ है, ये हम आपको बताएंगे, लेकिन उससे पहले बता दें कि फिल्म को दो अलग-अलग भागों में रिलीज किया गया था।दरअसल फिल्म में दो किलर थे, जिसकी वजह से दो क्लाइमैक्स भी थे। हाउसफुल 5 A और हाउसफुल 5B की 15 मिनट की एंडिंग एक-दूसरे से बिल्कुल अलग थी। अधिकतर लोगों को पहला पार्ट काफी पसंद आया, यही वजह है कि मूवी एक लंबे समय तक थिएटर में सर्वाइव कर पाई। सैकनलिक. कॉम की रिपोर्ट्स के मुताबिक, हाउसफुल 5 ने जाते-जाते भी बॉक्स ऑफिस पर तकरीबन 39वें दिन 1 लाख तक का बिजनेस किया। इंडिया में फिल्म की नेट कमाई 183.34 करोड़ तक हुई, जबकि ग्रॉस इस मूवी ने 218.38 करोड़ का कलेक्शन कर लिया। इंडिया से ज्यादा तेज रफ्तार हाउसफुल 5 की वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर थी। किलर कॉमेडी फिल्म दुनियाभर में हुई कमाई से ही अपना बजट निकालने में कामयाब हुई। वर्ल्डवाइड मूवी ने टोटल 288.63 करोड़ के आसपास की कमाई की, जबकि फिल्म का बजट 240 करोड़ तक था। साजिद नाडियाडवाला की मूवी ने बजट से 48 करोड़ का ज्यादा ही बिजनेस किया है। विदेशों में तो फिल्म को काफी अच्छा रिस्पांस मिला है, क्योंकि सिर्फ ओवरसीज मार्केट में ही मूवी का टोटल कलेक्शन 70.25 करोड़ तक का हुआ है।

बेटी श्वेता बच्चन की इस हरकत पर जय बच्चन का चढ़ गया पारा

बोलीं- 'सिर्फ तुम्हीं हो जो लगातार...'

बच्चन परिवार किसी न किसी वजह से हमेशा ही चर्चा में रहता है। अपने अभिनय करियर के अलावा बच्चन परिवार के सदस्यों की पर्सनल लाइफ भी टॉक ऑफ द टाउन रहती है। इन दिनों जय बच्चन का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह अपनी बेटी श्वेता बच्चन को डांट लगाती हुई नजर आईं। दरअसल, नव्या नवेली नंदा के पॉडकास्ट 'व्हाट द हेल नव्या' के एक एपिसोड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। नव्या के पॉडकास्ट में उनकी नानी जया और मां श्वेता नजर आ रही हैं। इस अनफिल्टर्ड पॉडकास्ट में तीनों किसी मुद्दे पर अपनी राय रखती हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में भी नव्या अपनी मां और नानी से किसी मुद्दे पर उनकी राय पूछती हैं, लेकिन श्वेता के नॉन-स्टॉप ओपिनियन से जया चिढ़ गईं। नव्या ने जया से पूछा, 'इंटरनेट ने हम पर एक ह्यूमन होने के नाते कैसा प्रभाव छोड़ा है? क्या आपको लगता है कि हम पहले से ज्यादा दयालु हो गए हैं? क्या आपको लगता है कि हम आशावादी हो गए हैं?' जया अपना जवाब देतीं, उससे पहले ही श्वेता बच्चन ने कहा, 'जिन लोगों में दयालुता स्वाभाविक है, वे ज्यादा दयालु होते हैं। जिन लोगों में कड़वाहट स्वाभाविक है, वे कड़वे होते हैं और बुरे लोग बुरे होते हैं। यह आमतौर पर मानव स्वभाव है।' श्वेता की ये बात सुनकर हंसने लगती हैं। दूसरी ओर नव्या नवेली ने अपनी मां की बात पर असहमति जताई। जब श्वेता ने कहा कि उनकी मां जया भी इस बात से सहमति जता रही हैं, क्योंकि वह मुस्कुरा रही हैं। तो जया ने साफ-साफ कहा कि वह किसी और बात पर हंस रही हैं। जया ने बेटी से कहा, 'श्वेता, मैं तुमसे कुछ कहना चाहती हूं। सिर्फ तुम्हीं हो जो लगातार राय दे रही है और बात कर रही है।'

सैफ के बाद करीना पर भी हुआ था हमला, रोनित रॉय ने किया खुलासा घर में नहीं थी सिक्योरिटी

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर हुए हमले के बाद करीना कपूर भी हादसे का शिकार हो गई थीं। इस बारे में खुद एक्टर रोनित रॉय ने बात की है। जिन्हें हमले के बाद उनकी सिक्योरिटी का जिम्मा दिया गया था। रोनित ने बताया कि कैसे करीना बहुत डरी हुई थीं। उनके घर और आसपास मीडिया का जमावड़ा था। जब रोनित ने उनके घर का दौरा किया तो वहां बेसिक सिक्योरिटी तक नहीं थी। एक्टर ने उनके घर में कई बदलाव करवाए और एक सुरक्षित माहौल बनाया। रोनित ने बताया कि करीना भी एक छोटे-से हादसे का शिकार हो गई थीं, जिसके बाद एक्टर को ही सैफ को अस्पताल से घर लाने का जिम्मा सौंपा गया था। बातचीत में रोनित बोले- सैफ अस्पताल में था, तो मैं उनके घर गया और रेकी की। कुछ सुझाव दिए, जो बड़े नॉर्मल से थे, और हर घर में होने चाहिए लेकिन वहां नहीं थे। वो क्यों नहीं थे उसकी कोई वजह नहीं थी, लेकिन वो होने चाहिए थे। तो मैंने वो बेसिक बदलाव डाले। मैं उन्हें मिसिंग नहीं कहूंगा, बस ख्याल नहीं रखा गया था। क्योंकि आप एक्सपेक्ट नहीं करते हो। सैफ घर आ रहा था, वहां इतनी मीडिया थी। सब जगह हल्ला मचा हुआ था। तो बेबो (करीना) जब हॉस्पिटल से घर गईं, तो उनकी गाड़ी पर भी अटैक टाइप का कुछ हो गया था। वो भी डर गई थीं। ये सब तब हुआ था जब सैफ पर हमला हो चुका था। मीडिया इतनी थी कि लोग भी घुस गए थे। वो गाड़ी में हिल गई थी । इसलिए उन्होंने मुझसे कहा कि सैफ को घर ले आओ।

25 साल बाद 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' की वापसी पर

एकता कपूर ने लिखा भावुक कर देने वाला ओपन लेटर

WHY KYUNKI, WHY NOW?

कंटेंट क्वीन एकता कपूर ने एक भावुक और प्रभावशाली ओपन लेटर के ज़रिए अपने प्रतिष्ठित शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी ' के वापसी की घोषणा की है। इस बार यह शो सीमित एपिसोड्स के साथ लौट रहा है और यह सिर्फ पुरानी यादें ताज़ा करने के लिए नहीं, बल्कि एक खास मकसद के साथ लौट रहा है। "क्यों क्योंकि, क्यों अब?" शीर्षक से लिखे अपने नोट में एकता ने बताया कि उन्होंने इस शो को दोबारा शुरू करने का निर्णय कैसे लिया। कभी टीआरपी चार्ट्स पर राज करने वाला यह शो, वैवाहिक उत्पीड़न, उम्र पर तंज और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों पर भी बातचीत की शुरुआत करने वाला एक आंदोलन बन गया था।

शुरुआत में झिझकते हुए एकता लिखती हैं, "आप कभी भी नॉस्टेल्जिया (पुरानी यादों) से मुकाबला नहीं कर सकते। वह हमेशा सबसे ऊपर रहता है।" लेकिन जैसे-जैसे क्रिएटिव और नेटवर्क टीमों के साथ चर्चाएं आगे बढ़ीं, यह एहसास हुआ कि क्योंकि की कहानी अधूरी है। एक ऐसी कहानी, जिसमें आज भी समाज को आईना दिखाने और संवाद शुरू करने की ताकत है।वह खुद से एक महत्वपूर्ण सवाल पूछती हैं, "क्या हम फिर से ऐसी कहानियां सुना सकते हैं जो सोचने पर मजबूर करें और बातचीत को जन्म दें? क्या हम क्योंकि को आज की स्टोरीटेलिंग फॉर्मैट्स से अलग रखकर उन मुद्दों पर फिर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं जिन्हें कभी टीवी ने निडरता से उठाया और दिखाया था? क्या हम वो समय वापस ला सकते हैं जब पूरा परिवार डिनर टेबल पर बैठकर चर्चा करता था?" और इसी सवाल का उन्होंने खुद को जवाब दिया,"चलो करते हैं ये! एक ऐसा शो बनाते हैं जो अहम सवाल पूछने से न डरे, जो बातचीत को जन्म दे और ऐसे समय में अलग खड़ा हो, जब सब कुछ सिर्फ दृश्यात्मक आकर्षण (विजुअल गिमिक्स) पर आधारित होता जा रहा है।"

सीमित एपिसोड्स के वादे के साथ, यह रीबूट न केवल मनोरंजन करने का बल्कि समाज को सोचने पर मजबूर करने और सबसे बढ़कर, प्रेरित करने का प्रयास है। एकता लिखती हैं, "क्योंकि के नाम, कहानी कहने की ताकत के नाम, बीते हुए समय को बस दोहराने के बजाय आने वाले समय को गढ़ने के नाम! हम कभी भी नॉस्टेल्जिया से जीत नहीं सकते। पर लड़ाई जीतने की नहीं, असर डालने की है!"

क्योंकि सास भी कभी बहू थी की यह बहुप्रतीक्षित वापसी, प्रिय स्मृति ईरानी के नेतृत्व में, 29 जुलाई को रात 10:30 बजे स्टार प्लस पर प्रसारित होगी और जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग के लिए भी उपलब्ध होगी।

लॉस एंजिल्स ओलिंपिक-12 जुलाई 2028 से क्रिकेट मैच शुरू होंगे

एजेंसी ● लॉस एंजिल्स

20 और 29 जुलाई को मेडल मैच, अस्थायी स्टेडियम बनाया जा रहा

लॉस एंजिल्स ओलिंपिक गेम्स में क्रिकेट के मुकाबले 12 जुलाई 2028 से शुरू होंगे। जबकि, 20 और 29 जुलाई को मेडल मैच खेले जाएंगे। टी-20 टूर्नामेंट में ज्यादातर डबल हेडर यानी एक दिन में दो मैच होंगे। 14 और 21 जुलाई को कोई मैच नहीं होगा। सभी मैच अमेरिकी समय अनुसार सुबह 9 बजे और शाम 6.30 बजे शुरू होंगे।

सभी मुकाबले फेयर ग्राउंड्स स्टेडियम में खेले जाएंगे। इतना ही नहीं, लॉस एंजिल्स से लगभग 50 किमी दूर पोंमोना शहर में एक अस्थायी स्टेडियम बनाया जाएगा। इसमें महिला और पुरुष की की 6-6 टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें 180 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। हर टीम 15 खिलाड़ी चुने जाएंगे। लॉस एंजिलिस की मेयर करेन बास ने एक स्टेटमेंट में कहा- जब दुनिया इन खेलों के लिए यहां आएगी, तो हम सभी के लिए खेलों की मेजबानी करते हुए हर इलाके को उजागर करेंगे। हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे कि हम एक यादगार विरासत छोड़े। क्वालिफिकेशन प्रोसेस नहीं बताया, मेजबान UAS का खेलना तय अब तक 2028 ओलिंपिक के लिए क्वालिफिकेशन प्रोसेस के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में अमेरिका का खेलना तय माना जा रहा है, क्योंकि USA को होस्ट होने के नाते मौका मिलेगा। इसका मतलब होगा कि अमेरिका के अलावा पांच और टीमें हिस्सा ले सकेंगी और उन्हें क्वालिफिकेशन प्रोसेस से गुजरना होगा। USA ने पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप होस्ट किया था यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका (USA) ने पिछले टी-20 वर्ल्ड कप मैचों की मेजबानी की थी। ये मुकाबले न्यूयॉर्क, फ्लोरिडा और डलास में खेले गए थे।

ग्रेट ब्रिटेन ने गोल्ड और फ्रांस ने सिल्वर मेडल जीता था। दोनों टीमों के बीच केवल एक ही मैच खेला गया था और इसी मैच को फाइनल घोषित कर दिया गया था। कॉमनवेल्थ गेम्स में 2, एशियाड में 3 बार क्रिकेट कॉमनवेल्थ गेम्स में भी 2 बार 1998 और 2022 में शामिल किया गया है। वहीं एशियन गेम्स में 2010, 2014 और 2023 में तीन बार क्रिकेट को जगह मिली। 2023 एशियन गेम्स में भारत ने मेंस और विमेंस दोनों कैटेगरी में अपनी टीमें भेजीं और दोनों में भारत ने गोल्ड मेडल जीता।

टूर्नामेंट का पहला मैच यही खेला जाएगा था

इतना ही नहीं, भारत और पाकिस्तान हाईवोल्टेज मैच की मेजबानी न्यूयॉर्क ने की थी। ओलिंपिक में 128 साल बाद वापसी कर रहा क्रिकेट क्रिकेट ओलिंपिक गेम्स में 128 साल बाद वापसी कर रहा है। 1900 में यह खेल पहली बार ओलिंपिक में शामिल किया गया था। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस की टीमों ने इसमें हिस्सा लिया था।

भारतीय टीम ब्रिटेन के राजा किंग चार्ल्स III से मिली

विमेंस टीम भी पहुंची; कप्तान गिल बोले- हमें बुलाया यह हमारे लिए सम्मान की बात

एजेंसी ● लंदन

भारतीय मेंस और विमेंस क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के राजा किंग चार्ल्स III से सेंट जेम्स पैलेस में मुलाकात की। भारतीय मेंस और विमेंस टीम इस समय इंग्लैंड के दौरे पर है।

भारतीय विमेंस टीम जहां पांच टी-20 मैचों की सीरीज 3-2 से जीत चुकी है, जबकि टीम को 3 वनडे मैचों की सीरीज अभी खेलना है। वहीं, भारतीय मेंस टीम 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही है। इंग्लैंड फिलहाल 2-1 से आगे है। उन्होंने दूसरा (लॉर्ड्स) टेस्ट 22 रन से जीता। इस खास मुलाकात में कप्तान शुभमन गिल, उपकप्तान ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, और मुख्य कोच गौतम गंभीर भी मौजूद थे। टीम को क्लैरेंस हाउस गार्डन में किंग चार्ल्स III से मिलवाया गया, जहां उन्होंने खिलाड़ियों से बातचीत की। इस खास मौके पर सभी खिलाड़ियों के साथ किंग चार्ल्स ने फोटो सेशन भी किया। मुलाकात पर कप्तान

किंग चार्ल्स से मिलना खास रहा : हरमनप्रीत

विमेंस टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा, किंग चार्ल्स से मिलने का अनुभव खास रहा। यह हमारी उनसे पहली मुलाकात थी और वे बहुत ही दोस्ताना स्वभाव के हैं। उन्होंने आगे कहा, हम अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं और हमें खुद को दिखाने के बहुत मौके मिल रहे हैं। भारतीय विमेंस टीम ने हाल ही इंग्लैंड विमेंस की खिलाफ पहली बार इंग्लैंड में टी-20 सीरीज अपने नाम की। टीम ने 5 मैचों की सीरीज 3-2 से जीतीं। टीम 16 से 22 जुलाई के बीच 3 वनडे मैच भी खेलेगी।

गिल ने कहा, किंग चार्ल्स III ने हमें बुलाया यह हमारे लिए सम्मान की बात है।

भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने कहा, किंग चार्ल्स III से मिलना शानदार अनुभव रहा। उन्होंने हमें बुलाया, यह हमारे लिए बहुत सम्मान की बात थी। बातचीत बहुत अच्छी रही। गिल ने बताया, किंग चार्ल्स ने हमें बताया कि पिछले टेस्ट मैच में हमारा आखिरी बल्लेबाज जिस तरह आउट हुआ, वह दुर्भाग्यपूर्ण था। गेंद स्टंप्स पर लुड़क गई। हमने भी कहा कि वो मैच हमारी किस्मत से दूर रह गया, लेकिन आगे के मैचों में उम्मीद है कि भाग्य साथ देगा। लॉर्ड्स टेस्ट में हार के बाद गिल ने टेस्ट मैच के बारे में कहाः दोनों टीमों ने बहुत जुनून के साथ खेला। हमने पूरी मानसिक और शारीरिक ताकत झोंकी। पांच दिन तक चले टेस्ट को जब सिर्फ 22 रन से हारो, तो विजेता को जरूर बहुत खुशी मिलती है। उन्होंने यह भी कहा, जहां भी हम खेलते हैं, वहां हमें भारतीय फैंस का जबरदस्त समर्थन मिलता है।

चौथे मैच के लिए इंग्लिश टीम का ऐलान

लियम डॉसन की 8 साल बाद टेस्ट टीम में वापसी

एजेंसी ● लंदन

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ECB) ने चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम का ऐलान कर दिया है। टीम में 8 साल बाद लेफ्ट आर्म स्पिनर लियम डॉसन की वापसी हुई है। डॉसन तीसरे टेस्ट में चोटिल हुए ऑफ स्पिनर शोएब बशीर की जगह लेंगे।

बशीर को लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच के दौरान रवींद्र जडेजा के एक शॉट पर फील्डिंग करते हुए चोट लग गई थी। वह एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के बचे हुए दो मैच से बाहर हो गए हैं। 8 साल बाद लियम डॉसन की टेस्ट में वापसी लियम डॉसन की 8 साल बाद टेस्ट टीम में वापसी हुई है। उन्होंने आखिरी बार जुलाई 2017 में इंग्लैंड के लिए टेस्ट खेला था। 35 साल के डॉसन ने केवल 3 टेस्ट खेले हैं, लेकिन हाल के सालों में हैम्पशायर के लिए लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 2023 और 2024 में प्रोफेशनल

क्रिकेटर्स एसोसिएशन प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड जीता।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 में भी इंग्लैंड की टीम में हुई थी वापसी डॉसन ने इंग्लैंड के लिए तीनों फॉर्मेट में खेला है। पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 में उन्होंने वापसी की थी, जहां उन्होंने तीन मैचों में 5 विकेट लिए, जो सीरीज में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा थे। बशीर की उंगली में फ्रेक्चर लॉर्डस में खेले गए तीसरे टेस्ट के दौरान बशीर के बाएं हाथ की छोटी उंगली में फ्रैक्चर हो गया।

हालिया काउंटी चैंपियनशिप

हालिया काउंटी चैंपियनशिप में उन्होंने 9 मैचों में 21 विकेट लिए, जिनका औसत 40.04 रहा। विटैलिटी ब्लास्ट में भी उन्होंने 10 मैचों में 11 विकेट हासिल किए। नेशनल सिलेक्टर ल्यूक राइट ने कहा कि लियम डॉसन ने अपनी जगह बनाई है। काउंटी चैंपियनशिप में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है और वह हैम्पशायर के लिए लगातार अच्छा खेल रहे हैं।

पंजाब के 114 साल के एथलीट फौजा का निधन

जालंधर। दुनिया के सबसे उम्रदराज एथलीट और टर्बन टॉरनेडो के नाम से मशहूर फौजा सिंह का सोमवार रात 114 साल की उम्र में निधन हो गया। जालंधर में सैर करने के दौरान उन्हें एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इलाज के लिए उन्हें एक निजी

अस्पताल में ले जाया गया, जहां रात को उन्होंने अंतिम सांस ली। पुलिस ने उनके बेटे धरमिंदर सिंह की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फौजा सिंह ब्यास पिंड में अपने बेटे के साथ रहते थे। बेटे-बेटियों और अन्य रिश्तेदारों के विदेश से लौटने पर 3 दिन बाद उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। फौजा सिंह ने 80 साल की उम्र में दौड़ना शुरू किया था। 2012 के लंदन ओलिंपिक में वह मशालवाहक भी रहे। सीसीटीवी में आखिरी बार फौजा सिंह 3.07 बजे अपने घर से बाहर निकलते हुए नजर आए। साथ ही शाम करीब साढ़े चार बजे पंजाब सरकार की ओर से होशियारपुर लोकसभा सीट से सांसद राज कुमार चब्बेवाल और अन्य आप नेता फौजा सिंह के साथ दुख साझा करने के लिए पहुंचे। इस दौरान मौके पर जालंधर देहात पुलिस के एसएसपी हरविंदर सिंह विर्क भी मौजूद थे। सांसद चब्बेवाल ने परिवार के साथ दुख साझा किया और मामले में पुलिस के उचित कार्रवाई करने के लिए आदेश दिए उनके निधन पर पीएम नरेंद्र मोदी ने भी दुख जताया।

माइकल के बेटे ने इंडिया अंडर-19 पर बरपाया कहर

वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे समेत 6 विकेट झटके

एजेंसी ● लंदन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के बेटे आर्ची वॉन ने इंग्लैंड अंडर-19 के लिए इंडिया अंडर-19 के खिलाफ पहले यूथ टेस्ट में गेंद से कहर बरपाया। आर्ची वॉन ने इंडिया अंडर-19 की दूसरी पारी में 6 विकेट झटके। इसमें कप्तान आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी के विकेट शामिल हैं। हालांकि; गेंद से शानदार प्रदर्शन करने वाले आर्ची का बल्ला दोनों पारियों में नहीं चला।

आर्ची वॉन ने इंडिया अंडर-19 की दूसरी पारी में 25 ओवर में 84 रन देकर 6 विकेट लिए। पहली पारी में भी उन्होंने 2 विकेट लिए थे। उन्होंने आयुष म्हात्रे और मौल्यराजसिंह चावड़ा को दोनों पारियों में आउट किया। आर्ची वॉन ने मैच में 42 ओवर किए 192 रन देकर 7 विकेट लिए।

इंडिया अंडर-19 ने दूसरी पारी में 248 रन बनाए। 349 रन की बढ़त हासिल की। दाएं हाथ के स्पिनर आर्ची वॉन ने दूसरी पारी में वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे, मौल्यराजसिंह चावड़ा, हेनिल पटेल और दीपेश देवेंद्रन का विकेट लिया। वैभव ने 56, आयुष ने 32, मौल्यराजसिंह चावड़ा ने 3, हेनिल पटेल बगैर खाता खोले और दीपेश देवेंद्रन ने 4 रन बनाए। आर्ची वॉन के अलावा इंग्लैंड अंडर-19 के लिए एलेक्स ग्रीन ने 2 और जेम्स मिंटो ने 1 विकेट लिए। ग्रीन को विहान मल्होत्रा का विकेट मिला। उन्होंने 63 रन बनाए। इसके अलावा विकेटकीपर अभिज्ञान कुंडू को आउट किया। उन्होंने 11 रन बनाए। मिंटो ने राहुल कुमार का विकेट लिया। उन्होंने 11 रन बनाए। आरएस अंबरिश रन आउट हुए। उन्होंने 53 रन बनाए।

आर्ची वॉन बल्ले से नहीं कर पाए कमाल

गेंद से शानदार प्रदर्शन करने वाले आर्ची वॉन बल्ले से कमाल नहीं कर पाए। पहली पारी में उन्होंने ओपनिंग करते हुए 2 रन बनाए। हेनिल पटेल ने उन्हें आउट किया था। आर्ची वॉन दूसरी पारी में 3 रन बनाकर आउट हुए। दीपेश दवेंद्रन ने उन्हें विकेट के पीछे अभिज्ञान कुंडू के हाथों कैच कराया।

टी20 डेब्यू पर फ्लॉप हुआ ये 19 साल का खिलाड़ी

दक्षिण अफ्रीका। जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड के बीच इन दिनों T20I ट्राई सीरीज खेली जा रही है। सीरीज का पहला मुकाबला जिम्बाब्वे के हरारे स्पोर्ट्स क्लब में दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के बीच खेला गया। दक्षिण अफ्रीका ने भले ही इस मैच में 5 विकेट से जीत दर्ज की हो, लेकिन इस मैच उनके टीम के एक खिलाड़ी के नाम एक अनचाहे लिस्ट में शामिल हो गया है। हम बात कर रहे हैं 19 साल के युवा बल्लेबाज लुआन डी प्रिटोरियस की, जिनके नाम अब T20I डेब्यू पर गोल्डन डक पर आउट होने का रिकॉर्ड जुड़ गया है। लुआन डी प्रिटोरियस को जिम्बाब्वे के खिलाफ T20 इंटरनेशनल में डेब्यू करने का मौका मिला। इस फॉर्मेट में तूफानी बल्लेबाजी करने वाले लुआन डी प्रिटोरियस अपने डेब्यू पर कुछ खास कमाल नहीं कर पाए और पहली ही गेंद पर आउट होकर पवेलियन लौट गए। वह T20I डेब्यू पर गोल्डन डक पर आउट होने वाले साउथ अफ्रीका के तीसरे बल्लेबाज बने हैं। इसके साथ ही उन्होंने केएल राहुल, पृथ्वी शॉ, रचिन रवींद्र जैसे खिलाड़ियों की लिस्ट में अपना नाम शामिल करवा लिया है। ये सभी खिलाड़ी अपने T20I डेब्यू पर गोल्डन डक पर आउट हुए थे। लुआन डी प्रिटोरियस की बात करें तो उन्होंने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट फॉर्मेट में डेब्यू किया था। उन्होंने टेस्ट डेब्यू की पहली पारी में ही 153 रन बनाकर इतिहास रच दिया था। वह टेस्ट में 150+ रनों की पारी खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं।

लॉर्ड्स हारकर अब मेनचेस्टर में तो और भी बड़ा संकट

एजेंसी ● मेनचेस्टर

भारत और इंग्लैंड के बीच अब तक तीन टेस्ट हो चुके हैं। अभी दो और मैच बाकी हैं। भारतीय टीम लीड्स के बाद लॉर्ड्स टेस्ट भी हार चुकी है। हालांकि राहत की बात ये है कि तीसरे और चौथे मैच के बीच अंतर है, इसलिए भारतीय थिंक टैंक के पास सोचने और समझने का मौका है। लेकिन टेंशन भी है। अगला टेस्ट मेनचेस्टर में है, यहां के आंकड़े जब आप देखेंगे तो और भी चक्कर में पड़ जाएंगे।

अब जरा इंग्लैंड के आंकड़ों पर एक नजर डाली जाए। इंग्लैंड की टीम ने मेनचेस्टर में अब तक 84 टेस्ट खेले हैं और इसमें से 33 में उसे जीत मिली है और 15 में हार का सामना करना पड़ा है। 36 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। इंग्लैंड का ये होम ग्राउंड है, जाहिर है कि उनके लिए वहां खेलना आसान है, क्योंकि सभी खिलाड़ी वहां खेल चुके हैं। वहीं टीम इंडिया के कई खिलाड़ी तो ऐसे हैं, जो इस मैदान पर पहली बार खेलने लिए उतरेंगे।

मेनचेस्टर में खेला जाएगा चौथा मुकाबला

मेनचेस्टर में 23 जुलाई से भारत और इंग्लैंड के बीच जारी टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला खेला जाएगा। पहले आपको भारतीय टीम के बारे में बताते हैं, क्योंकि ये काफी दुखद आंकड़े हैं। भारतीय टीम ने साल 1936 में पहली बार मेनचेस्टर में टेस्ट मैच खेला था। तब से लेकर साल 2014 तक यहां पर भारतीय टीम ने कुल मिलाकर 9 टेस्ट मैच खेल लिए हैं, लेकिन ताज्जुब की बात है कि यहां अभी तक एक भी मैच में जीत नसीब नहीं हुई है। हालांकि पिछले 11 साल से तो भारत ने यहां पर कोई मैच नहीं खेला है, लेकिन इस बार खेलना होगा।

21वीं सदी में दूसरी बार हुआ ये कमाल

मिचेल ने किया इरफान पठान वाला कारनामा

एजेंसी ● खेल डेस्क

सोमवार को भारत और इंग्लैंड के बीच जारी टेस्ट सीरीज के तीसरे मैच का आखिरी दिन था। इस मुकाबले में कई उतार चढ़ाव आए और आखिर में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा। ये सब कुछ भारतीय समय अनुसार देर शाम को हुआ, लेकिन जब भारत में रात में लोग सो रहे थे, एक और मुकाबला जारी था, जिसमें एक तरह से रिकॉर्ड की झड़ी सी लग गई। ये था ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच का तीसरा मैच। जिसे ऑस्ट्रेलिया ने अपने नाम कर लिया। इस मैच में वैसे तो काफी कुछ हुआ, लेकिन मिचेल स्टार्क ने जिस तरह की घातक गेंदबाजी की, वो अपने आप में काबिलेतारीफ है। मिचेल स्टार्क ने जो कारनामा किया, वो 21वीं सदी में इरफान पठान के बाद कोई नहीं कर पाया था, लेकिन अब मिचेल स्टार्क ने करीब करीब वैसा ही काम करके दिखाया है।

मिचेल स्टार्क ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ पहले ही ओवर में कहर बरपा दिया। उन्होंने पहले ओवर की पहली ही बॉल पर विकेट लिया। इसके बाद तीन तीन बॉल पर उन्हें कोई विकेट तो नहीं मिला, लेकिन उन्होंने इस दौरान कोई रन भी नहीं दिया। इसके बाद आखिरी दो बॉल पर फिर से मिचेल स्टार्क ने बैक टू बैक दो विकेट लिए। यानी ओवर में बिना कोई रन दिए, उन्होंने तीन विकेट झटके और ये पहला ही ओवर था।

इससे पहले ये काम भारत के इरफान पठान ने पाकिस्तान के खिलाफ किया था। इरफान पठान ने साल 2006 में पाकिस्तान के खिलाफ पाकिस्तान के कराची में पहले ओवर में ही हैट्रिक ले ली थी। ओवर की पहली तीन बॉल पर उन्होंने कोई रन नहीं दिया, लेकिन इसके बाद आखिरी तीन बॉल पर तीन विकेट लेकर इतिहास रच दिया था। उन्होंने ओवर में कोई रन दिए बगैर तीन विकेट अपने नाम किए थे। 21वीं सदी यानी साल 2000 के बाद दूसरी बार ही ऐसा कारनामा देखने के लिए मिला है।

स्कॉट बोलैंड ने ली मैच में हैट्रिक

इस मैच में जहां एक ओर मिचेल स्टार्क ने छह विकेट अपनी झोली में डाले, वहीं स्कॉट बोलैंड ने तो हैट्रिक ले डाली। मिचेल स्टार्क ने 7.3 ओवर में केवल 9 रन देकर 6 विकेट लिए। बात अगर बोलैंड की करें तो उन्होंने दो ओवर में दो रन देकर तीन विकेट ले लिए। यही वजह रही कि ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच को 176 रन के भारी अंतर से जीत लिया है। तीन मैचों की सीरीज में भी वेस्टइंडीज का पूरी तरह से सफाया हो गया है। हालांकि ये मैच मिचेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड के लिए याद किया जाएगा।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, बुधवार, 16 जुलाई, 2025
www.adityabharat.com

फ़्रांस के नीस शहर में फ़्रेंच रिवेरा शहर में प्रोमेनेड डेस एंग्लेस के किनारे समुद्र तट पर पर्यटकों की भीड़ उमड़ पड़ी है।

शॉट न्यूज

'हमें सीजफायर पर भरोसा नहीं : ईरान

तेहरान। ईरान के रक्षा मंत्री ब्रिगेडियर जनरल अजीज नसीरजादेह ने सीजफायर पर संदेह जताया है। उन्होंने कहा कि ईरान इस सीजफायर पर भरोसा नहीं करता और वह किसी भी संभावित हमले के लिए पूरी तरह से तैयार है। ईरानी रक्षा मंत्री ब्रिगेडियर जनरल अजीज नासिरजादेह ने सोमवार को कहा, वर्तमान क्षेत्रीय सीजफायर की स्थायित्व पर संदेह जताया और कहा कि इस्लामिक गणराज्य इस पर भरोसा नहीं करता और किसी भी संभावित हमले के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने बताया कि तुर्की और मलेशिया के अपने समकक्षों के साथ अलग-अलग फोन पर बातचीत में नासिरजादेह ने स्पष्ट किया कि ईरान संघर्ष को बढ़ाना नहीं चाहता, लेकिन वह अपनी सतर्कता में कोई कमी नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा, 'इस्लामिक गणराज्य क्षेत्र में युद्ध और असुरक्षा फैलाने की इच्छा नहीं रखता, लेकिन ये किसी भी हमले का निर्णायक और कुचलने वाला जवाब देने के लिए तैयार है।

कनाडा में जगन्नाथ रथ यात्रा पर अंडे फेंके

ओटावा। कनाडा में 11 जुलाई को इस्कॉन की जगन्नाथ रथ यात्रा पर कुछ लोगों ने छतों से अंडे फेंके। इस घटना का वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। यह घटना उस वक्त घटी जब भक्त सड़कों पर नाचते हुए भजन कर रहे थे। सोशल मीडिया यूजर संगना बजाज ने घटना का एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा- किसी ने पास की इमारत से हम पर अंडे फेंके। क्यों? क्योंकि हमारा विश्वास शोर मचाता है? क्योंकि हमारी खुशी अनजान लगती है? हम नहीं रुके, क्योंकि भगवान जगन्नाथ सड़कों पर हैं, कोई नफरत हमें हिला नहीं सकती।' वहीं, टोरंटो में रहने वाली एक एनआरआई ने कहा- हम हैरान और आहत थे, लेकिन हमने यात्रा नहीं रोकी। नफरत कभी भी विश्वास को नहीं हरा सकती।' इस घटना की निंदा करते हुए ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने इसे भक्तों की भावनाओं पर हमला बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा- टोरंटो में रथ यात्रा के दौरान भक्तों पर अंडे फेंके जाने की खबर से दुखी हूं।

यूक्रेन में राजनीतिक उठापटक के आसार...

जेलेंस्की की सिफारिश- यूलिया स्विरीडेंको बने यूक्रेन की पीएम

अभी उप-प्रधानमंत्री और आर्थिक विकास मंत्री हैं, नियुक्ति को लेकर वोट होगा

कीव ● एजेंसी

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने उप-प्रधानमंत्री और आर्थिक विकास मंत्री यूलिया स्विरीडेंको को देश का नया प्रधानमंत्री बनाने की सिफारिश की है। यूलिया जेलेंस्की की करीबी मानी जाती हैं। जेलेंस्की ने फेसबुक पोस्ट में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा- वह यूलिया स्विरीडेंको को नए प्रधानमंत्री के रूप में नामित करेंगे, जो 2020 से पद पर काबिज डेनिस श्मिहाल की जगह लेंगी। जेलेंस्की ने कहा कि वह सरकार में नवीकरण चाहते हैं। यूक्रेन और ट्रम्प प्रशासन के बीत सैन्य सहयोग के बदले नेचुरल रिसोर्स देने की डील स्विरिडेंको के देखरेख में ही हुई थी। स्विरीडेंको का प्रधानमंत्री बनाना संसद की मंजूरी पर निर्भर करता है। हालांकि, जेलेंस्की की पार्टी 'सर्वेंट ऑफ द पीपल' 2019 से 254 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत में है। आज संसद में इसको लेकर बात हो सकती है, लेकिन स्विरिडेंको की नियुक्ति पर वोट की तारीख अभी नहीं आई है।

जानकारी

जेलेंस्की ने पोस्ट में कहा कि स्विरिडेंको के साथ उन्होंने घरेलू हथियार उत्पादन और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने की योजनाओं पर चर्चा की है। वहीं, जेलेंस्की के विरोधियों पार्टियों ने इस कदम पर सवाल उठाए हैं, उनका कहना है कि उप-प्रधानमंत्री को प्रधानमंत्री बनाना कोई बदलाव नहीं है। जेलेंस्की ने स्विरिडेंको को प्रधानमंत्री बनाने का फैसला अपनी शक्तियों को बढ़ाने के लिए किया है। विरोधियों ने जेलेंस्की पर सत्ता के दुरुपयोग के भी आरोप लगाए हैं।

यूक्रेन-अमेरिका के बीच रेयर अर्थ मटेरियल को लेकर डील हुई थी

यूक्रेन और अमेरिका के बीच फरवरी में 50% रेयर अर्थ मटेरियल (दुर्लभ खनिज) को लेकर डील हुई थी। इनमें ग्रेफाइट, यूरेनियम, टाइटेनियम, लिथियम समेत कई बेशकीमती और दुर्लभ खनिज शामिल थी। इनका इस्तेमाल टेस्ला की कारों से स्पेसएक्स के रॉकेट तक, होवित्जर तोप से मोबाइल की चिप तक में होता है। ट्रम्प यूक्रेन सरकार पर अमेरिका को दुर्लभ खनिज देने को लेकर दबाव बना रहे थे। उनका कहना था कि यदि यूक्रेन को अमेरिकी मदद चाहिए तो उसे 500 बिलियन डॉलर के दुर्लभ खनिज अमेरिका को देने होंगे। उन्होंने जेलेंस्की को धमकी दी थी कि यदि उन्होंने ऐसा नहीं किया तो अमेरिका यूक्रेन को और मदद देना बंद कर देगा। जेलेंस्की रुस की तरफ से बढ़ते हमलों और सीजफायर में अमेरिका की मदद को लेकर डील के लिए राजी हो गए थे।

यूनुस ने बरकरार रखी मैंगो डिप्लोमेसी

बांग्लादेश ने पीएम मोदी को 1000 किलोग्राम हरिभंगा आम भेजे

ढाका ● एजेंसी

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने 'हरिभंगा' किस्म के 1,000 किलोग्राम आम भारत भेजे हैं। इन्हें PM मोदी, भारत के राजनयिकों और दूसरे अधिकारियों को उपहार में दिए जाएंगे। भारत के साथ रिश्तों को बेहतर बनाने की कोशिश के तहत बांग्लादेश की इस पहल को 'मैंगो डिप्लोमेसी' कहा जा रहा है। इसके तहत अंतरिम सरकार ने न सिर्फ केंद्र सरकार को, बल्कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा को भी हरिभंगा आम भेजे हैं। ये 300 किलोग्राम आम 60 डिब्बों में पैक करके गुरुवार शाम करीब 5:15 बजे अखौरा लैंड पोर्ट के जरिए भेजे गए।

यूनुस ने आम भेजने की परंपरा जारी रखी – बांग्लादेश में 'हरिभंगा' प्रीमियम आम माना जाता है। इनकी गुणवत्ता बहुत अच्छी मानी जाती है। भारत में इसे काफी पसंद किया जाता है। बांग्लादेशी अखबार डेली सन की रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश उच्चायोग के एक अधिकारी ने बताया कि ये आम सद्भावना के प्रतीक के तौर पर भेजे गए हैं और सोमवार को नई दिल्ली पहुंचने वाले हैं। बांग्लादेश से भारत में आम भेजने की यह परंपरा नई नहीं है। पहले की सरकारें भी भारत को आम भेजती रही हैं। इस बार यह कदम खास इसलिए माना जा रहा है, क्योंकि पिछले साल छात्रों के नेतृत्व में हुए बड़े प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हटना पड़ा था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दी रूस को धमकी

रूस 50 दिन में युद्ध समझौता करो, नहीं तो भारी टैरिफ लगाएंगे : ट्रम्प

वॉशिंगटन डीसी ● एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस पर यूक्रेन से जंग खत्म करने का दबाव डालने के लिए भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी। ट्रम्प ने कहा- मैं ट्रेड को कई चीजों के लिए इस्तेमाल करता हूं, लेकिन यह युद्ध खत्म करने के लिए बहुत अच्छा है। ट्रम्प ने कहा कि अगर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 50 दिन में यूक्रेन के साथ शांति समझौता नहीं किया, तो उस पर 100% टैरिफ लगेगा। ट्रम्प ने बताया कि यह 'सेकेंडरी टैरिफ' होगा, जिसका मतलब रूस से तेल खरीदने वाले देशों, जैसे भारत और चीन, पर भी प्रतिबंध लगेगा। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस स्थित ओवल ऑफिस में नाटो महासचिव मार्क रुटे के साथ बैठक की। इस दौरान ट्रम्प ने यूक्रेन को और हथियार देने का भी ऐलान किया। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को रूस के हमलों से बचने के लिए हथियारों की जरूरत है। ट्रम्प ने बताया कि उनकी प्लानिंग के तहत यूरोपीय देश अमेरिका से हथियार खरीदकर यूक्रेन को देंगे। यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल सिस्टम, शॉर्ट-रेंज मिसाइलें, हॉवित्जर गोले और मिडिल रेंज की एयर-टु-एयर मिसाइलें दी जा सकती हैं।

ओवल ऑफिस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, ट्रम्प ने पुतिन के प्रति बार-बार अपनी निराशा जाहिर की। ट्रम्प ने कहा, 'मेरी पुतिन से हमेशा अच्छी बातचीत होती है। मैं घर जाता हूं, फर्स्ट लेडी से कहता हूं कि मैंने आज पुतिन से बात की, हमारी बातचीत बहुत अच्छी रही।' 'फिर वो कहती हैं, ओह, सच में, अभी-अभी यूक्रेन के एक और शहर पर हमला हुआ है।' ट्रम्प ने आगे कहा, 'पुतिन ने क्लिंटन, बुश, ओबामा, बाइडेन को मूर्ख बनाया। मुझे बेवकूफ नहीं बना सकते। अब एक्शन लेना जरूरी है। पुतिन को पता है कि क्या डील है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)